दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 193

ग्वालियर, रविवार, 03 अप्रैल, 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

पीएम मोदी बोले- ये ऐतिहासिक पल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक मोर्चे पर कई बड़े समझौते हस्ताक्षरित

नई दिल्ली। भारतीय पारंपरिक नव वर्ष शनिवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आर्थिक मोर्चे पर कई बड़े समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। कहा जा रहा है कि इससे दोनों देशों में व्यापार को रफ्तार मिलेगी। डील के मुताबिक दोनों देशों ने कई चीज़ों पर टैक्स को खत्म करने का ऐलान किया है। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया टेक्सटाइल, चमड़ा, आभूषण और खेल उत्पादों समेत 95 फीसदी से अधिक भारतीय वस्तुओं के लिए अपने बाजार में टैक्स फ्री पहुंच प्रदान करेगा। पीएम मोदी इस डील को दोनों देशों के संबंध के लिहाज से ऐतिहासिक बताया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन और निवेश मंत्री डैन टेहन ने एक ऑनलाइन समारोह में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर दस्तखत किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष स्कॉट मॉरिसन भी मौजूद थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों के लिए वास्तव में एक अहम पल है। पीएम मोदी ने शनिवार को कहा, 'इतने कम समय में इतने महत्वपूर्ण समझौते पर सहमति दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास को दर्शाती है। ये वास्तव में हमारे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है।'वहीं ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री मॉरिसन ने कहा कि ये समझौता भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया के करीबी संबंधों को और भी गहरा बना देगा। इस कार्यक्रम में बोलते हुए, मॉरिसन ने कहा, 'जब से हमने अपनी व्यापक, रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है, हमारे सहयोग की गति और पैमाना उल्लेखनीय है। मेरी सरकार ने शिखर सम्मेलन सहित नई पहलों में कुछ 282 मिलियन अमरीकी डालर की घोषणा की है जो हमारे विस्तारित सहयोग को बढ़ावा देगी।'

ऑस्ट्रेलिया इस समझौते के तहत पहले दिन से निर्यात के लगभग 96.4 प्रतिशत मूल्य पर भारत को शून्य शुल्क की पेशकश कर रहा है। इसमें ऐसे कई उत्पाद शामिल हैं, जिन पर वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में चार से पांच प्रतिशत का सीमा शुल्क लगता है। इस समझौते से टेक्साइटल और परिधान, चुनिंदा कृषि और मत्स्य उत्पादों, चमड़ा, जूते, फर्नीचर, खेल उत्पाद, आभूषण, मशीनरी, इलेक्ट्रिक सामान और रेलवे वैगन जैसे श्रम प्रधान क्षेत्रों को विशेष लाभ होगा। भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया 17वां सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार है और ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत नौंवा सबसे बड़ा साझेदार है। दोनों देशों के बीच 2021 में माल एवं सेवाओं में द्विपक्षीय व्यापार 27.5 अरब डॉलर था। 2021 में भारत से वस्तुओं का निर्यात 6। 9 अरब डॉलर का था और आयात 15.1 अरब डॉलर था।

गौतम अडानी पर लक्ष्मीजी मेहरबान 100 अरब डॉलर क्लब में हुए शामिल

मुकेश अंबानी को पछाड़ फिर निकले आगे

नई दिल्ली। तेजी प्रगति की और अग्रसर अडानी समूह के मुखिया (चेयरमैन) गौतम अडानी पर लक्ष्मी जी की विशेष कृपा बरस रही है। एक बार फिर भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस बन गए हैं। उन्होंने

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी को पछाड़कर यह उपलब्धि हासिल की है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इस साल उनकी नेटवर्थ में 23.5 अरब डॉलर की तेजी आई है और वह 100 अरब डॉलर क्लब में पहुंच गए हैं। शुक्रवार को उनकी नेटवर्थ में 2.44 अरब डॉलर यानी 18,532 करोड़ रुपये की तेजी आई। अडानी ग्रुप के शेयरों में इस साल काफी तेजी आई है और साल के पहले तीन महीनों में उन्होंने दुनिया के किसी भी रईस के मुकाबले ज्यादा कमाई की है। अडानी की नेटवर्थ में इस साल 31 मार्च तक 27 फीसदी की उछाल आई है।

नवरात्र और रमजान के मद्देनजर नोएडा में 30 अप्रैल तक धारा 144 लागू

नोएडा। नवरात्र और रमजान जैसे पवित्र त्योहारों के मद्देनजर 1 अप्रैल से 30 अप्रैल तक गौतमबुद्ध नगर में धारा 144 लागू रहेगी। यह जानकारी नोएडा पुलिस की ओर से ट्वीट करके दी गई है। इस महीने रमजान, चैत्र नवरात्रि, रामनवमी, अंबेडकर जयंती, हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं हैं। साथ ही उत्तर प्रदेश विधान परिषद 2022 के चुनाव के चलते पूरे गौतमबुद्ध नगर जिले में धारा 144 लागू रहेगी। इस महीने की 2 तारीख से चैत्र नवरात्रि और रमजान के पाक महीने की शुरुआत हो रही है। वहीं 10 अप्रैल को रामनवमी है, 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती, 15 अप्रैल को गुड फ्राइडे, 16 अप्रैल को हनुमान जयंती, 17 अप्रैल इस्टर और 29 अप्रैल को अलविदा जुम्मा की नमाज है। पुलिस ने अपने आदेश में कहा है कि कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर में शांति व्यवस्था और सौहार्द बनाए रखने के मकसद से यह जरूरी है कि किसी भी तरह के शरारती तत्वों को रोका जाए। जिससे कोई प्रतिकूल वातावरण बनने की आशंका हो। पुलिस ने अपने आदेश में आगे कहा है कि हालात की गंभीरता को देखते हुए समयाभाव के कारण किसी अन्य पक्ष की सुनवाई का अवसर प्रदान कर पाना संभव नहीं है इसी के साथ ये आदेश एकपक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है।

चीन के आर्थिक शहर शंघाई में लॉकडाउन लगा दिया

चीन में कोरोना से हालत हुए बद से बदस्तर डिब्बे और कचरे के बैग में भरे जा रहे शव

बीजिंग। चीन में कोरोना की नई लहर से हालात फिर से खौफनाक हो रहे हैं। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है, कि चीनी प्रशासन ने शंघाई में लॉकडाउन लगा दिया है। हालात इतने खराब हो चुके हैं, कि शंघाई के किसी भी अस्पताल में कोरोना संक्रमित मरीजों को भर्ती करने की जगह नहीं बची है। इसके बावजूद चीन का दावा है कि शंघाई में कोरोना संक्रमण से अभी तक किसी की मौत नहीं हुई है। इस दौरान शहर में आर्थिक गतिविधियां पूरी तरह से ठप्प हैं। विदेशों कों निर्यात होने वाले सामानों की सप्लाई रोक दी गई है। शंघाई के अधिकारी शहर में तेजी से फैलते संक्रमण की रफ्तार को रोकने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार शंघाई के पूर्वी पुडोंग इलाके में स्थिति काफी गंभीर है। यह अस्पताल में काम करने वाले कुछ लोगों से बात कर कोविड के खतरनाक हालात के बारे में बताया। अस्पताल में काम करने वाले लोगों ने कहा कि वहां बुजुर्ग मरीजों का इलाज करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, इनमें से कई लोगों की मौत भी हो चुकी है। शंघाई के सबसे बड़े अस्पताल की नर्स ने बताया कि तीन हफ्ते पहले फैसिलिटी में कोरोना के पहले मामले की पहचान की गई थी।

पहला मामला सामने आने के बाद शंघाई प्रशासन ने अस्पताल को आम लोगों के लिए बंद कर दिया है। तब से शंघाई नगरपालिका की रोग नियंत्रक टीमें अस्पताल से बाकी इलाके में संक्रमण को रोकने के लिए काम कर रही हैं। इस बीच चीनी सोशल मीडिया पर लोगों ने दावा किया कि उन्हें अपने परिजनों से मिलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दादी का इलाज करवा रहे आदमी ने कहा कि अस्पताल में भर्ती करवाने के बाद उनके बारे में जानकारी प्राप्त करना बहुत मुश्किल था। जब मृतकों के बारे में जानने के लिए स्थानीय शवदाह गृहों से भी संपर्क किया, तब सभी ने इससे इनकार किया कि उन्हें अस्पताल से किसी मरीज का शव भेजा गया है। पिछले हफ्ते अस्पताल में आपातकालीन स्थिति में काम करने पहुंचे एक दूसरे कर्मचारी ने बताया कि उसने एक मरीज को मरते देखा है। कर्मचारी ने कहा कि मेरे एक साथी ने भी दूसरे मरीज की मौत की पुष्टि की थी। हालांकि, उन्होंने यह पुष्टि करने से इनकार किया कि इन मरीजों की मौत कोविड से हुई है या किसी दूसरी बीमारी से। नर्स ने बताया कि वह क्वारंटाइन सेंटर जाने से पहले इसी अस्पताल में काम करती थी और रात में सोती भी थी। उसने बताया कि लगातार नए मामले बढ़ने के कारण हालात बद से बदतर होते चले गए। उसने दावा किया कि शंघाई सरकार के भेजे मेडिकल स्टाफ और विशेषज्ञ भी संक्रमित थे। उसने कहा कि पहले तो हम हमेशा की तरह काम करते रहे, लेकिन बाद में उन्होंने हर विभाग को बंद करना शुरू कर दिया। तब हमारे मैनेजर ने कहा कि हालात काफी खराब होते जा रहे हैं। कई मरीज थे, जो मास्क पहनने से भी इनकार कर रहे थे। एक और नर्स ने बताया कि जब वह अस्पताल पहुंची तब वहां चारों तरफ गंदगी फैली हुई थी। अस्पताल के अंदर बिखरे हुए डिब्बे और कचरे के भरे बैग नजर आ रहे थे।

रूस और हुआ आक्रामक, यूक्रेन में के कई शहरों पर दागी मिसाइलें

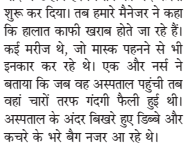

लवीव। रूस यूक्रेन पर लगातार आक्रमक होता जा रहा है। रूस ने फरवरी के अंतिम सप्ताह में ही यूक्रेन पर हमले की शुरुआत कर दी थी जो अब तक जारी है। इस क्रम में शनिवार सुबह रूस की मिसाइलों ने सेंट्रल यूक्रेन के दो शहरों पर हमले किए। इन हमलों में आवासीय भवनों व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को नुकसान पहुंचा है। यह जानकारी पोल्तावा इलाके के प्रमुख ने दी। अपने आनलाइन पोस्ट में दमित्री ल्यूनिन ने लिखा, %एक मिसाइल यहां के एक बिल्डिंग में अटक गया। आज सुबह शहर में अनेकों हमले हुए।%उन्होंने आगे बताया कि कम से कम चार मिसाइल दागे गए थे जिससे पोल्तावा के दो इंफ्रास्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हो गए। वहीं क्रेमेनचक के औद्योगिक इकाइयों पर तीन हवाई हमले हुए। पोल्तावा इलाके की राजधानी पोल्तावा सिटी है जो कीव के पूर्व में है और इस इलाके के बड़े शहरों में से एक क्रेमेनचक है। फिलहाल इन हमलों में किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। यूक्रेन के दक्षिण पूर्व में स्थित दनिप्रो इलाके में इंफ्रास्ट्रक्चर पर किए गए मिसाइल हमले में दो लोग जख्मी हो गए और काफी नुकसान भी हुआ। यह जानकारी इलाके के प्रमुख वैलेंटिन रजनिचेनको ने अपने आनलाइन पोस्ट के जरिए दी। वहीं क्रिवी रिह के पेट्रोल स्टेशन पर भी बमबारी हुई जिसके कारण वहां आग लग गई। यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री इरिना वेरेश्चुक ने जानकारी दी कि शनिवार को लोगों के सुरक्षित निकासी के लिए सात कारिडोर तैयार किए गए हैं। कारिडोर के जरिए मारियूपोल से लोग अपने निजी वाहनों व बसों के जरिए सुरक्षित निकल सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने 24 फरवरी को ही हमले शुरुआत की शुरुआत कर दी थी। शुरुआत से ही इन हमलों में किसी नागरिक को निशाना बनाए जाने से मास्को इनकार कर रहा है।

इमरान ने कहा, मेरी जान को खतरा, मेरा और मेरी पत्नी के चरित्रहानन की साजिश

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि उनके पास इस बारे में विश्वसीय सूचना है कि उनकी जान को खतरा है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि वह भयभीत नहीं हैं और एक स्वतंत्र एवं लोकतांत्रिक पाकिस्तान के लिए अपनी जंग जारी रखने वाले हैं। रविवार को संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में अविश्वास प्रस्ताव पर होने वाले मतदान से पहले खान ने कहा कि सेना ने उन्हें तीन विकल्प दिए हैं, अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान का सामना करने, समय से पहले चुनाव कराने या प्रधानमंत्री के तौर पर इस्तीफा दे देने।

प्रधानमंत्री ने कहा, मैंने कहा कि समय से पहले चुनाव कराना सबसे अच्छा विकल्प है...मैं इस्तीफा देने के बारे में कभी नहीं सोच सकता...और अविश्वास प्रस्ताव के लिए, मुझे विश्वास है कि मैं आखिरी मिनट तक मुकाबला करूंगा।'' बात दें कि पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना ने पिछले 73 साल में आधे से अधिक समय तक देश पर शासन किया है। सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में उसकी बड़ी भूमिका रही है। खान ने कहा कि न सिर्फ उनकी जान खतरे में है, बल्कि विदेशी हाथों की कठपुतली बना विपक्ष उनका चरित्र हनन भी करेगा। इमरान खान (69) ने कहा, ''मैं अपने राष्ट्र को यह बताना चाहता हूं कि मेरी जान को भी खतरा है, उन्होंने (विपक्ष ने) मेरा चरित्र हनन करने की भी साजिश रची है। न सिर्फ मेरा, बल्कि मेरी पत्नी का भी चरित्र हनन करने की कोशिश हो रही हैं। यह पूछे जाने पर कि विपक्ष ने उन्हें क्या विकल्प दिए हैं, प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उन्हें विपक्षी नेता शहबाज शरीफ जैसे लोगों से बात करनी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''यदि हम बच गए (अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान में), तब हम इन दल-बदलुओं के साथ काम नहीं करने वाले हैं, (जो उनकी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ को छोड़कर विपक्षी गुट में जा मिले हैं)। खान ने कहा कि समय से पहले चुनाव कराना बेहतर विकल्प है, मैं अपने राष्ट्र से अनुरोध करूंगा कि मुझे एक साधारण बहुमत दें ताकि मुझे समझौते नहीं करने पड़े।'' उन्होंने विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव को साजिश करार देकर कहा कि वह इस बारे में पिछले साल अगस्त से जानते थे और उनके पास ऐसी रिपोर्ट थी कि कुछ विपक्षी नेता दूतावासों के चक्कर लगा रहे हैं।

दिल्ली में शराब पीने वालों की मौज, फिर शुरु हुआ बंपर छूट का दौर

नई दिल्ली। दिल्ली में शराब की कीमतों में फिर बंपर छूट का दौर शुरू हो गया है। इस संबंध दिल्ली सरकार के आबकारी विभाग की ओर से आदेश जारी हुआ है। दरअसल, आबकारी विभाग ने निजी दुकानों को शराब के अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पर 25 प्रतिशत तक की छूट देने की अनुमति दी है।

आदेश के बाद शराब की दुकानों पर डिस्काउंट और ऑफर का सिलसिला फिर शुरू हो गया है। सरकार के आदेश के तहत दुकानदार अब एमआरपी पर 25 प्रतिशत तक डिस्काउंट दे सकते हैं। इससे पहले फरवरी महीने में सरकार ने कोविड से संबंधित दिशानिर्देशों और अस्वास्थ्यकर बाजार प्रथाओं के उल्लंघन के मद्देनजर शराब की दुकानों द्वारा दी जा रही छूट और योजनाओं पर रोक लगा दी थी। दिल्ली के आबकारी आयुक्त द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि सरकार ने सिफारिश की है कि दिल्ली (एनसीटी) के अधिकार क्षेत्र में दिल्ली उत्पाद शुल्क नियम, 2010 के तहत शराब की बिक्री पर एमआरपी के 25 प्रतिशत तक छूट या छूट की अनुमति नियम 20 के सख्त अनुपालन के साथ दी जाएगी। दिल्ली आबकारी अधिनियम की धारा 4 के तहत आबकारी आयुक्त ने निर्देश दिया है कि लाइसेंसधारी विक्रेता दिल्ली में शराब की बिक्री पर एमआरपी के अधिकतम 25 प्रतिशत तक छूट या रियायतें दे सकते हैं। लाइसेंसधारी विक्रेता लाइसेंस के नियमों और शर्तों का सख्ती से पालन करना होगा और यदि कोई उल्लंघन पाया जाता है,तब उनके खिलाफ दिल्ली आबकारी अधिनियम और अन्य नियमों के तहत सख्त दंडात्मक कार्रवाई होगी। हालांकि, आदेश में कहा गया है कि समग्र जनहित में, सरकार किसी भी समय छूट वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखती है। सरकार किसी भी दायित्व के अधीन नहीं होगी और दिल्ली में शराब की बिक्री पर छूट की अनुमति देना सरकार पर बाध्यकारी नहीं होगा।

कर्नाटक की भाजपा सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार : राहुल

बेंगलुरु। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक में पार्टी नेताओं से एकजुट होकर काम करने और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में 150 सीट जीतने का लक्ष्य रखने का शुक्रवार को आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी चुनावी रैलियों में भ्रष्टाचार की बात करते थे, लेकिन देश की 'सबसे भ्रष्ट सरकार' कर्नाटक में है, जिसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चलाती है। गांधी ने कहा कर्नाटक में कांग्रेस 225 सदस्यीय विधानसभा में भारी बहुमत से जीतेगी और एक ऐसी सरकार बनाएगी जो गरीबों, कमजोर वर्गों, छोटे व्यापारियों, छोटे और मध्यम व्यवसायों के लिए काम करेगी और

राज्य को एक बार फिर सही रास्ते पर ले जाएगी। यहां कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी की विस्तारित कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा हमारे मन में यह बात बहुत स्पष्ट होनी चाहिए कि हमें कम से कम 150 सीटें मिलने वाली हैं। उन्होंने कहा कर्नाटक में हमेशा पार्टी के समर्थन की भावना रही है और यह कांग्रेस की स्वाभाविक स्थिति है। उन्होंने कहा कि पसंद-नापसंद के आधार पर लोगों को बढ़ावा देने के बजाय पार्टी के लिए उन्होंने जो सेवा की है, उसके आधार पर लोगों को बढ़ावा देना बहुत जरूरी है। गांधी ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हमें पिछले उस इतिहास के आधार पर टिकट तय करनी चाहिए। मुझे लगता है कि हमें उस काम के आधार पर टिकट देना चाहिए जो वह आज पार्टी के लिए कर रहा है। इस कार्यक्रम में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और रणदीप सिंह सुरजेवाला, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार, कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्धारमैया समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

खास खबर

121 साल बाद मार्च में पड़ी इतनी ज्यादा गर्मी

नई दिल्ली। भारत के लोगों को इस साल मार्च में रिकॉर्ड लेवल की गर्मी का सामना करना पड़ा। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, देश में 1901 के बाद से सबसे गर्म मार्च महीना रहा, जिस दौरान अधिकतम तापमान सामान्य से 1.86 डिग्री सेल्सियस अधिक था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि देश भर में औसत वर्षा भी बीते महीने औसत से 71त्न कम हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में मार्च में औसत तापमान 33.10 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो कि सामान्य से 1.86 डिग्री सेल्सियस अधिक है। इस दौरान औसत न्यूनतम तापमान 20.24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उत्तर-पश्चिम इलाके में सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया, जो कि सामान्य से 3.91 डिग्री सेल्सियस अधिक था। वहीं, सेंट्रल एरिया में भी मार्च सामान्य से 1.62 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म था। भारत में मार्च में औसत तौर पर 8.9 एमएम बारिश हुई, जो कि लॉन्ग पीरियड एवरेज के 30.4 एमएम से 71 प्रतिशत कम है। मार्च में 1909 में 7.2 मिमी और 1908 में 8.7 मिमी बारिश हुई थी। ऐसे में इस साल पिछले महीने 1901 के बाद से तीसरी सबसे कम बारिश हुई। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी देते हुए कहा है कि आने वाले सालों में लू की तीव्रता बढ़ती जाएगी। पिछले कुछ सालों में ऐसे दिन ज्?यादा रहे हैं जब बारिश हुई ही नहीं। कुछ मामलों में बहुत ज्?यादा बारिश हुई और गर्मी भी बढ़ती गई है।

कांग्रेसी मेयर का कबूलनामा, हम हुए सुविधाभोगी, मोदी से लड़ना मुश्किल

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में पिछले लंबे समय से चली आ रही कांग्रेसी गुटबाजी व आंतरिक कलह शनिवार को उस समय फिर जगजाहिर हो गई, जब जिला कांग्रेस की ओर से लगातार बढ़ रहे डीजल, पेट्रोल व गैस सिलेंडर के कीमतों के विरोध में धरना दिया जा रहा था। धरने को संबोधित करने के लिए जब नगर निगम के मेयर अभिजीत कुमार को बुलाया गया, तब उनके मन की बात भी जुबां पर आ गई।

आर्यन खान ड्रग्स केस के मुख्य गवाह प्रभाकर सेल की मौत

मुंबई। मुंबई क्रूज पर ड्रग्स पार्टी के मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के मुख्य गवाह प्रभाकर सेल की मुंबई के चेंबूर स्थित उनके घर में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि 37 वर्षीय प्रभाकर सेल की शुक्रवार शाम चेंबूर स्थित उसके घर में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई. प्रभाकर सेल को घाटकोपर के राजवाड़ी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया. मुंबई ड्रग्स केस में प्रभाकर सैल को तत्कालीन मुंबई एनसीबी निदेशक समीर वानखेड़े ने ड्रग्स बरामदगी और अन्य साक्ष्यों के लिए अहम गवाह के तौर पर पेश किया था. लेकिन उसके बाद उसने वानखेड़े और अन्य पर रिश्वत लेने का सनसनीखेज आरोप लगाया था. उधर महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रभाकर सेल की मौत मामले की जांच करेंगे.

जन्मदिन समारोह में झगड़े को लेकर हुई फायरिंग, 10 वर्षीय बच्चे की मौत

बिजनौर। पश्चिमी यूपी के बिजनौर शहर में जन्मदिन की समारोह में झगड़े को लेकर चली गोली लगने से 10 साल के एक बच्चे की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार देर रात बिजनौर कोतवाली के मुहल्ला चाहशीरी में इकराम नामक व्यक्ति के बेटे अरमान की जन्मदिन की पार्टी में आकिब, इमरान और वसी नामक लोगों के बीच कहासुनी हो गई। उन्होंने बताया कि देखते ही देखते मामले ने तूल पकड़ लिया। इस दौरान गोली चलने से पार्टी में मौजूद 10 वर्षीय जुनैद की मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर अभियुक्तों की तलाश शुरू कर दी है।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अगले 24 घंटे मौसम शुष्क रहने के आसार

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में शनिवार को अगले 24 घंटे के दौरान मौसम साफ और शुष्क रहने की संभावना है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा, अगले 24 घंटे के दौरान जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मौसम शुष्क और साफ रहने की संभावना है। श्रीनगर में आज न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस, पहलगाम में 3.2 डिग्री और गुलमर्ग में 4.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख के द्रास शहर में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 3.4 डिग्री नीचे, लेह में 3 डिग्री और कारगिल में 0.8 डिग्री दर्ज किया गया। इस बीच, जम्मू में न्यूनतम तापमान 19.5 डिग्री, कटरा में 17.9, बटोटे में 12.5, बनिहाल में 8.6 और भद्रवाह में 10.4 डिग्री दर्ज किया गया।

न्यूज़ ट्रैक....

जूनियर एथलीटों के लिए चार अप्रैल से शिविर शुरु करेगा साइ

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) हिमाचल प्रदेश के शिलारू केंद्र में विभिन्न राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में रह रहे जूनियर एथलीटों के लिये 72 दिन का एक शिविर आयोजित करेगा। साइ ने अपने एक बयान में कहा कि इस शिविर में जूनियर वर्ग में मध्यम और लंबी दूरी के 27 धावक भाग लेंगे। यह शिविर चार अप्रैल से शुरू होकर 14 जून तक चलेगा। इसमें एथलीटों के अलावा 11 कोच और अन्य सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी भाग लेंगे। गौरतब है कि साइ के शिलारू केंद्र का उपयोग ऊंचाई पर अभ्यास करने के लिये किया जाता है। यह 8000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और शिमला से लगभग 52 किमी दूरी पर है। यह केंद्र हिमालय पर्वतमाला के नारकंडा और हाटू चोटियों से घिरा हुआ है और 78 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है।

सीनियर खिलाड़ियों के लिए भी घरेलू क्रिकेट अनिवार्य बनाएगा एसीबी

नई दिल्ली । अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) ने अब राष्ट्रीय टीम में शामिल खिलाड़ियों के लिए भी घरेलू क्रिकेट को अनिवार्य बनाने जा रहा है। एसीबी के अनुसार अगर सीनियर खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में जगह बनाये रखनी है तो उन?हें घरेलू क्रिकेट खेलते रहना होगा। बोर्ड के नए चेयरमैन अशरफ भी चाहते हैं कि सीनियर खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलना अनिवार्य हो। उनके अनुसार सीनियर्स खिलाड़ियों को टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए उपलब्ध होने पर फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि राशिद खान जैसे स्टार खिलाड़ी को भी घरेलू क्रिकेट खेलना होगा क्योंकि घरेलू क्रिकेट से ही टीम मजबूत होती है। साथ ही कहा कि हम इसे और भी बेहतर बनाने की योजना बना रहे हैं। टेस्ट चैंपियनशिप की तैयारी के लिए घरेलू फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कठिन प्रतिस्पर्धा होगी जिसमें सभी खिलाड़ियों को शामिल होना होगा। अफगानिस्तान के घरेलू कार्यक्रम के अनुसार इस साल अंडर 16 एकदिवसीय और टी 20 टूर्नामेंट का आयोजन होना है। अफगानिस?तान बोर्ड 3 टी20 टूर्नामेंट, 4 एकदिवसीय प्रतियोगिता, जिसमें लिस्ट ए टूर्नामेंट भी शामिल है और एज लेवल क्रिकेट का भी आयोजन होना है।

वेटल ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री से सत्र की शुरुआत करेंगे: मार्टिन

सिल्वरस्टोन । फॉर्मूला वन (एफवन) टीम एस्टन मार्टिन ने कहा है कि टीम के अनुभवी ड्राइवर सेबेस्टियन वेटल अब पूरी तरह से ठीक हो गये हैं और रेस में भाग लेने के लिए तैयार हैं। मार्टिन इससे पहले कोविड-19 संक्रमण से पीड़ित थे। चार बार यह विश्व चैंपियन 10 अप्रैल को ऑस्ट्रेलियाई ग्रां प्री से सत्र की शुरुआत करेगा। जर्मनी के 34 वर्षीय वेटल कोरोना वायरस से संक्रमित होने के कारण बहरीन और सऊदी अरब में हुई सत्र की पहली दो रेस में शामिल नहीं थे। वहीं ब्रिटेन की टीम एस्टन मार्टिन ने कहा, 'हमें इस बात की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है कि वेटल अब रेस के लिए पूरी तरह से फिट हो गये हैं। वह मेलबर्न में लांस स्ट्रोक के साथ 2022 एफवन सत्र शुरु करेंगे। वहीं अब तक वेटल की जगह पर रिजर्व ड्राइवर निको हल्केनबर्ग ने दोनों ही रेस में भाग लिया था। वह बहरीन में 17 वें और फिर सऊदी अरब में 12 वें स्थान पर रहे थे। मार्टिन इस सत्र में अब भी अपने पहले अंक की तलाश है।

आईपीएल दूसरा डबल हेडर मुकाबला मुंबई इंडियंस व राजस्थान के बीच

नई दिल्ली। क्रिकेट के रोमांच इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल2022) में आज इस श्रंखला का दूसरा डबल हेडर मुकाबला खेला जाएगा। पहले मैच में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस का सामना राजस्थान रॉयल्स से होगा। मुंबई की शुरुआत एक बार फिर खराब रही है जहां उसे लगातार 10वें सीजन अपने पहले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। राजस्थान ने जिस तरह अपने पहले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद पर हैरतअंगेज जीत हासिल की थी, उसे देखते हुए मुंबई के लिए मुकाबला एक बार फिर आसान नहीं होने वाला है। मुंबई इंडियंस को राजस्थान के जोश से बचकर रहना होगा। मुंबई के लिए मैच से पहले सबसे अच्छी खबर यह है कि मध्यक्रम के उसके धाकड़ बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव फिट हो चुके हैं और इस मैच में मैदान पर उतरने को तैयार हैं। कप्तान रोहित शर्मा और ईशान किशन की ओपनिंग जोड़ी अगर एक बार फिर अच्छी

शुरुआत दिलाने में कामयाब रहती है तो मिडल-ऑर्डर में सूर्य उसे बड़े स्कोर में तब्दील करवा सकते हैं।

गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और बासिल थंपी को अपनी रफ्तार से तो स्पिनर मुरुगन अश्विन को अपनी फिरकी से महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। दूसरी तरफ रॉयल्स के लिए कप्तान संजू सैमसन, ओपनर यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर के साथ ही देवदत्त पडिक्कल को बैट से फिर चमक बिखेरनी होगी। प्रसिद्ध कृष्णा, ट्रेंट बोल्ट, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल टीम के बोलिंग अटैक को दमदार बनाते हैं। दोनों टीमों के बीच आमने-सामने हुए मुकाबलों की बात करें तो मुंबई का पलड़ा थोड़ा सा भारी है। दोनों टीमों के बीच हुए कुल 27 मुकाबलों में से मुंबई ने 14 जीते हैं और राजस्थान ने 12। वहीं एक मैच का नतीजा नहीं निकल पाया है।सीजन में इस पिच पर जो दो मैच खेले गए हैं उसमें पहले में बल्लेबाजों का तो दूसरे में गेंदबाजों का बोलबोला रहा। हालांकि, बाद में बैटिंग करने वाली टीम दोनों ही बार जीतीं। दिन का मैच होने से गर्मी से परेशानी तो रहेगी लेकिन बाद में बोलिंग करने वाली टीम के लिए ओस का चैलेंज नहीं रहेगा। 64 रन बनाते हैं तो टी20 क्रिकेट में 10 हजार रन पूरे करने वाले दूसरे भारतीय बन जाएंगे रोहित शर्मा।

संभावित प्लेइंग इलेवन

मुंबई इंडियंसः रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, कीरोन पोलार्ड, फैबियन एलेन, मुरुगन अश्विन, टायमल मिल्स, बासिल थंपी, जसप्रीत बुमरा।

राजस्थान रॉयल्सः यशस्वी जायसवाल, जोस बटलर, देवदत्त पडिक्कल, संजू सैमसन (कप्तान, विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, रेयान पराग, जिमी नीशम, रविचंद्रन अश्विन, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल, प्रसिद्ध कृष्णा।

भविष्य के लिए बेहतर टीम तैयार कर रहे रोहित

मोहाली। भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा का कहना है कि उनका लक्ष्य भविष्य के लिए एक बेहतर टीम तैयार करना है। रोहित के अनुसार अच्छी 'बेंच स्ट्रेंथ तैयार करना है भी जीत दर्ज करने जितना ही जरुरी है। रोहित ने कहा कि अगर आपको 'बेंच स्ट्रेंथ बनानी है तो आपको अभी से सोचना शुरू करना होगा, तभी भारतीय क्रिकेट सुरक्षित हाथों में रहेगा। यह मेरी चुनौतियों में से एक है और मेरी जिम्मेदारियों में से एक है। मैंने यह जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली है कि ऐसी बेंच स्ट्रेंथ तैयार की जाये जिसमें सभी बातों का ध्यान रखा जा सके। टीम अब अनुभवी चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे से आगे बढ़ रही है , इसलिए युवा खिलाड़ियों को अपने पर भरोसा दिलाना जरूरी रहेगा। उन्होंने कहा कि मेरे लिये अहम है कि मैं इन युवा खिलाड़ियों को किस तरह से खिलाता हूं जो बाहर बैठे हैं और मैं उन्हें आत्मविश्वास कैसे दिला सकता हूं। जब उन्हें अवसर मिले तो उन्हें बहुत स्पष्ट होना चाहिए कि उन्हें क्या करना और हासिल करना है। इससे हमारे प्रदर्शन पर असर पड़ेगा, भले ही हम जीते या फिर हारें। कप्तान ने यह भी कहा कि कोई भी नये खिलाड़ियों से आते ही मैच जिताने की उम्मीद नहीं कर सकता। आप यह नहीं कह सकते कि आपको मैच जिताने ही होंगे क्योंकि मैच जीतने के लिए आपको कई चीजें करने की जरूरत होती है। बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने के लिए खिलाड़ियों के लिए स्पष्ट रुख के साथ ही अच्छा माहौल बनाये रखने की जरूरत है ताकि खिलाड़ी अच्छे माहौल में निखर सकें।

राष्ट्रीय पिट्टू चैंपियनशिप में मप्र व राजस्थान बने चैंपियन

भोपाल/इन्दौर । मेजबान मध्य प्रदेश ने मजबूत राजस्थान को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 63-58 अंकों से पराजित कर दूसरी राष्ट्रीय पिट्ठू चैम्पियनशिप में पुरूष वर्ग का खिताब जीत लिया। राजस्थान ने आदिवासी विभाग को 148-110 अंकों से शिकस्त देकर महिला वर्ग में विजेता बनने को गौरव अर्जित किया। आदिवासी विभाग ने पुरूष वर्ग में व मध्यप्रदेश ने महिला वर्ग में तीसरा स्थान प्राप्त किया। स्पर्धा भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम के बहुउद्देशीय हॉल में सम्पन्न हुई। पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में मप्र पिट्ठू एसोसिएशन द्वारा स्पर्धा आयोजित की गई।

प्रदेश के डीजी होमगार्ड व पूर्व खेल संचालक पवन जैन ने भाजपा के वरिष्ठ नेता व भोपाल जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह व मप्र शासन के पूर्व मंत्री और पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक जोशी की उपस्थिति में खिलाडियों को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत मप्र पिट्ठू एसोसिएशन के अध्यक्ष हरिनारायण यादव, सचिव गुलाब सिंह चौहान, पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव नवीन गौड, भोपाल पिट्ठू संघ के अध्यक्ष सैयद साजिद अली, आशीष यादव ने किया। समारोह में सूरज कैरो, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, विनय यादव, सुरेश सांगते, जयवर्द्धन जोशी विशेष रूप से उपस्थित थे।

पुरस्कार वितरण समारोह में पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष व भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने फोन पर खिलाडियों को संबोधित करते हुए आव्हान किया कि हमारे परंपरागत खेल पिट्ठू को हमें ऑलंपिक तक ले जाना है। जिसके लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। समारोह के मुख्य अतिथि पवन जैन से भी इस सफल चैम्पियनशिप के लिए आयोजकों को बधाई दी तथा खिलाडियों से आग्रह किया कि वे दिल लगाकर खेल से जुडे रहे। आज हमारा देश खेल में बहुत उन्नति कर रहा है। खिलाडी की प्रगति में प्रशिक्षक की भूमिका सदैव अग्रणी रही है। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा पिट्ठू खेल की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। पुरूष वर्ग में दिल्ली व बिहार तथा महिला वर्ग में गुजरात व गोवा टीमों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। राजस्थान पिट्ठू एसोसिएशन द्वारा प्रतियोगिता में भाग लेने वाली सभी टीमों को पिट्ठू सैट दिया गया। आयोजन अध्यक्ष हरिनारायण यादव द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

फीफा वर्ल्ड कप 2022- मेसी-लेवानडॉस्की के बीच होगा जबरदस्त मुकाबला

दोहा । जोशीले खेल फुटबाल के फीफा वर्ल्ड कप2022 का धमाल नवंबर-दिसंबर में कतर में होना है। इस टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ घोषित कर दिया गया है। टूर्नामेंट की शुरुआत 21 नवंबर को होगी। 18 दिसंबर को फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। पहली बार खाड़ी देश को टूर्नामेंट की मेजबानी मिली है। टूर्नामेंट में कुल 32 टीमें हिस्सा लेंगे और इन्हें 8 ग्रुप में बांटा गया है। यूक्रेन पर हमला करने की वजह से रूस इस वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं ले पाएगा। 2010 वर्ल्ड कप की चैंपियन स्पेन और 2014 की चैंपियन जर्मनी की टीम एक ही ग्रुप में है। दोनों टीमें ग्रुप ई में हैं। इस ग्रुप में एशिया की टॉप टीमें में शामिल जापान भी है। इक्वाडोर, सेनेगर और नीदरलैंड्स के साथ मेजबान कतर ग्रुप ए में है। कतर ने इससे पहले वर्ल्ड कप में हिस्सा नहीं लिया है। इस बार मेजबान होने की वजह से उसे सीधे एंट्री मिली। ग्रुप बी में इंग्लैंड के साथ अमेरिका और इरान है। ग्रुप की चौथी टीम वेल्स, स्कॉटलैंड या यूक्रेन होगी। डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस ग्रुप डी और 5 बार की चैंपियन ब्राजील ग्रुप जी में है।

मध्य प्रदेश स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग चैंपियनशिप 5 अप्रैल से

इन्दौर । दूसरी मध्य प्रदेश स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग चैंपियनशिप आगामी 5 से 7 अप्रैल तक एमरल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में खेली जाएगी। स्पोर्ट्स क्लाइंबिंग फेडरेशन आफ इंडिया के तत्वावधान में मध्य प्रदेश स्पोर्ट्स क्लाइबिंग संगठन द्वारा आयोजित स्पर्धा में प्रदेश के सभी जिलों के खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। इस दौरान सबजूनियर, जूनियर और सीनियर वर्गों की बालक और बालिकाओं की स्पर्धा होगी। प्रदेश संगठन के सचिव संजय मिश्रा ने बताया कि स्पर्धा के आधार पर गठित टीम राष्ट्रीय स्पर्धा में हिस्सा लेगी। स्पर्धा के लिए एमरल्ड हाइट्स स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की क्लाइंबिंग वॉल बनाई गई है। इस दौरान लीड, स्पीड और बोल्डरिंग वर्गों के मुकाबले होंगे। यह खेल विश्व के 135 से ज्यादा देशों में खेला जाता है और भारत में भी तेजी से यह लोकप्रिय हो रहा है।

व्यापार न्यूज

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 617.648 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । देश के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे सप्ताह गिरावट आई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में 2.03 अरब डॉलर घटकर 617.648 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व 18 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 2.597 अरब डॉलर घटकर 619.678 अरब डॉलर रह गया था। इससे पूर्व 11 मार्च, 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशीमुद्रा भंडार 9.646 अरब डॉलर घटकर 622.275 अरब डॉलर रह गया था। आरबीआई के शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के घटने की वजह से आई जो कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। आंक?ों के अनुसार 25 मार्च को समाप्त सप्ताह में एफसीए 3.202 अरब डॉलर घटकर 550.454 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 1.23 अरब डॉलर बढ़कर 43.241 अरब डॉलर हो गया। समीक्षाधीन सप्ताह में, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 4.4 करो? डॉलर घटकर 18.821 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 1.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.132 अरब डॉलर रह गया।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने व्यापार समझौता किया

नई दिल्ली । भारत और ऑस्ट्रेलिया ने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए शनिवार को आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के तहत ऑस्ट्रेलिया टेक्सटाइल, चमड़ा, आभूषण और खेल उत्पादों समेत 95 फीसदी से अधिक भारतीय वस्तुओं के लिए अपने बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच प्रदान करेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार, पर्यटन और निवेश मंत्री डेन तेहान ने एक ऑनलाइन समारोह में भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग एवं व्यापार समझौते पर दस्तखत किए। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष स्कॉट मॉरीसन भी मौजूद थे।

ताकुया ने होंडा का अध्यक्ष पद संभाला

नई दिल्ली । होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने कहा कि ताकुया सुमुरा ने कंपनी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। कंपनी ने सालाना प्रबंधन में होने वाले बदलाव के हिस्से के रूप में कुणाल बहल को बिक्री एवं नेटवर्क विकास-परिचालन प्रमुख से विपणन और बिक्री के उपाध्यक्ष के रूप में पदोन्नत किया है। बहल अपनी नई भूमिका में बिक्री और विपणन के परिचालन प्रमुख भी होंगे और नए सीईओ के नेतृत्व में प्रबंधन टीम का एक अभिन्न हिस्सा बनने के साथ विपणन और बिक्री निदेशक युइची मुराता की मदद करेंगे। ताकुया होंडा के साथ 30 वर्षों से जुड़े हुए है। उन्होंने थाईलैंड, ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, तुर्की, यूरोप और एशिया और ओशिनिया क्षेत्रों सहित कई अंतरराष्ट्रीय बाजारों में काम किया है।

एमईआईएल समूह ऊर्जा परिवर्तन में 3.5 करोड़ यूरो निवेश करेगा

हैदराबाद । इटली की तेल और गैस ड्रिलिंग रिग विनिर्माता और एमईआईएल समूह की इकाई ड्रिलमेक के निदेशक मंडल ने ऊर्जा बदलाव क्षेत्र में 3.5 करो? यूरो की निवेश परियोजना को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना में हाइड्रोजन का उत्पादन करने के लिए पहल शामिल है। एमईआईएल ने कहा कि हाइड्रोजन का उत्पादन उन्नत प्रौद्योगिकियों के जरिये किया जाएगा। ड्रिलमेक ने अल्ट्रा-क्लीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए पाइरोलाइटिक कनवर्टर के विकास और औद्योगिक उत्पादन के लिए इड्रोगेना नाम से एक स्टार्ट-अप कंपनी पहले ही शुरू कर दी है। ड्रिलमेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सिमोन ट्रेविसानी ने कहा कि हमें अपने देश (इटली) में इस नई पहल की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है जो हमारे इतिहास के अनुरूप है। इसका उद्देश्य ऊर्जा, सामाजिक और पर्यावरणीय जरूरतों को शामिल करने में सक्षम जिम्मेदार और सुरक्षित प्रौद्योगिकियों का नवाचार और विकास करना है।

कम आवक से 20 फीसदी बढ़े खजूर के दाम

नई दिल्ली । रमजान महीना शुरू होने से पहले ही बाजार में खजूर के दाम 20 फीसदी बढ़ गए हैं। इस साल रमजान की शुरूआत 2 अप्रैल से हो रही है। इस पवित्र महीने में खजूर की काफी डिमांड होती है। ऐसे में व्यापारियों और आयातकों ने भी खजूर के खास इंतजाम किए हैं। कोरोना के प्रतिबंध लगभग खत्म होने से आजादपुर मंडी में खरीदारों की भीड़ है। पिछले साल के मुकाबले इस बार सेल डबल हो रही है। साथ ही दाम भी बढ़ गए हैं। आजादपुर मार्केट में खजूर मर्चेंट असोसिएशन का कहना है ?कि पिछले दो साल में कोरोना ने खजूर के मार्केट को नुकसान पहुंचाया है। इस बार ऊपर वाले की रहमत है। रमजान से पहले कोरोना का प्रकोप घटा है। पिछले साल के मुकाबले इस बार डबल सेल हो रही है। मंडी में खरीदारी की भीड़ है। दूर-दूर से व्यापारी आ रहे हैं। वैश्विक महामारी और रूस-यूक्रेन के युद्ध की वजह से इंपोर्टर्स ने माल भी कम मंगाया है। इससे मार्केट में खजूर के दामों में 20 फीसदी का इजाफा हुआ है। बाजार में बिक्री भी अच्छी हो रही है। गुजरात के मुंद्रा पोर्ट में सबसे ज्यादा खजूर उतरता है। उसके बाद मुंबई और चेन्नै के पोर्ट पर खजूर आता है। अभी बाजार में ईरान और साउदी के कलमी, अजवा, अंबर, मशरूख खजूर की मांग अधिक है। माना जाता है कि खजूर पैगंबर हजरत मोहम्मद का पसंदीदा फल था। वे खजूर खाकर रोजा खोलते थे। इसलिए आज भी मुसलमान खजूर से रोजा खोलते हैं। दिल्ली-एनसीआर के बाजार ही नहीं बल्कि पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर के बाजारों तक खजूर की सप्लाई आजादपुर मंडी से ही होती है।

दुनिया का चाय केन्द्र बन सकता है भारत: गोयल

कोलकाता । वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि चाय भारत का अभिन्न अंग है और इस देश को दुनिया का चाय केन्द्र बनाया जाना चाहिए। चाय बोर्ड के 69वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि इस उत्पाद का उत्पादन और उत्पादकता बढ़ी है, जबकि इसकी खेती का रकबा दोगुना हो गया है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव आया है लेकिन इससे हमें और बेहतर करने के प्रति आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। हमें गुणवत्ता के मामले में और सुधार करने की जरूरत है। गोयल ने कहा कि भारत का एक बड़ा घरेलू बाजार है जहां कुल चाय उत्पादन का 70 प्रतिशत खपत होता है, लेकिन दुनिया में इस पेय का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश होने के बावजूद यहां (भारत से) निर्यात घट रहा है। उनके अनुसार नए निर्यात स्थलों की खोज करनी होगी, और साथ ही चाय की खुशबू और स्वाद में सुधार करने की भी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश में चाय की कई किस्में उपलब्ध हैं, और इन्हें दुनिया भर में व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है, ऐसे में देश को चाय केन्द्र बनाना ज्यादा मुश्किल नहीं होगा।

शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा

सेंसेक्स 708.18 अंक उछलकर 59,276.69 पर हुआ बंद

मुंबई । साप्ताहिक आधार पर बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स में 1,914.49 अंक (3.33 प्रतिशत) जबकि एनएसई का सूचकांक निफ्टी में 517.45 अंक (3.01 प्रतिशत) तेजी रही। कारोबारियों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली और सकारात्मक वृहत आर्थिक आंकड़ों से भी बाजार को समर्थन मिला। बीते सप्ताह शेयर बाजार के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 138.50 अंक गिरकर 57,223.64 पर खुला और 231.29 अंक की बढ़त के साथ 57,593.49 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का सूचकांक निफ्टी भी 43.55 अंक गिरकर 17,109.45 पर खुला और 69 अंक की तेजी के साथ 17,222 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 138.50 अंक गिरकर 57,223.64 पर खुला और 231.29 अंक की बढ़त के साथ 57,593.49 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 43.55 अंक गिरकर 17,109.45 पर खुला और 69 अंक की तेजी के साथ 17,222 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 478.76 अंक चढ़कर 58,422.41 पर खुला और 740.34 अंक की बढ़त के साथ 58,683.99 पर बंद हुआ। निफ्टी 142.85 अंक बढ़कर 17,468.15 पर खुला और 172.95 अंक की बढ़त के साथ 17,498.25 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेसेक्स 127.38 अंक चढ़कर 58,811.37 पर खुला और 115.48 अंक की गिरावट के साथ 58,568.51 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 47.1 अंक की मजबूती के साथ 17,545.35 पर खुला और 33.50 अंक की गिरावट के साथ 17,464.75 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 112.71 अंक चढ़कर 58,681.22 पर खुला और 708.18 अंक उछलकर 59,276.69 पर बंद हुआ। निफ्टी भी 33.35 अंक की मजबूती के साथ 17,498.10 पर खुला और 205.70 अंक चढ़कर 17,670.45 पर बंद हुआ।

मार्च में मारुति, हुंदै की थोक बिक्री घटी और टाटा, किआ की बढ़ी

नई दिल्ली । देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनियों मारुति सुजुकी और हुंदै मोटर की घरेलू बिक्री में मार्च, 2022 के दौरान गिरावट दर्ज की गई। वहीं टाटा मोटर्स, स्कोडा और किआ इंडिया ने पिछले महीने अपनी अब तक की सबसे अधिक मासिक थोक बिक्री हासिल की है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने बताया कि मार्च, 2022 में उसकी बिक्री पिछले पांच वर्षों के दौरान सबसे अधिक रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने भी मार्च के दौरान अपने यात्री वाहन की बिक्री में वृद्धि दर्ज की है। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने कहा कि मार्च महीने में उसकी घरेलू बिक्री सात प्रतिशत घटकर 1,43,899 इकाई रही जो एक साल पहले इसी माह में 1,55,417 इकाई थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 16,52,653 इकाइयों की बिक्री की है। कंपनी ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की कमी का वित्त वर्ष 2021-22 में वाहनों के उत्पादन पर कुछ प्रभाव पड़ा था। हुंदै मोटर इंडिया की कुल बिक्री भी सालाना आधार पर मार्च, 2022 में 14 प्रतिशत घटकर 55,287 इकाई रह गई। कंपनी ने इससे पिछले वर्ष के इसी महीने में 64,621 इकाइयां बेची थी। दूसरी तरफ, टाटा मोटर्स ने मार्च, 2022 के दौरान अपने यात्री वाहनों की किसी एक महीने में सबसे अधिक बिक्री हासिल की है।

कंपनी की थोक बिक्री मार्च 2021 में 29,654 इकाइयों से 43 प्रतिशत बढ़कर मार्च, 2022 में 42,293 इकाई पर पहुंच गई। महिंद्रा ने बताया कि घरेलू बाजार में पिछले महीने उसके यात्री वाहनों की बिक्री 65 प्रतिशत बढ़कर 27,603 इकाई हो गई, जो मार्च 2021 में 16,700 इकाई थी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की थोक बिक्री भी मार्च, 2022 में 14 प्रतिशत बढ़कर 17,131 इकाई हो गई। एक साल पहले के इसी महीने में उसने 15,001 इकाइयों की बिक्री की थी। वाहन विनिर्माता किआ की बिक्री भी पिछले महीने बढ़कर 22,622 इकाई पर पहुंच गई। यह कंपनी द्वारा किसी एक महीने में बेचे गए वाहनों की सबसे अधिक संख्या है। स्कोडा ऑटो ने बताया कि मार्च, 2022 में उसकी बिक्री पांच गुना बढ़कर 5,608 इकाई पर आ गई। कंपनी ने मार्च, 2021 में 1,159 कारों को बेचा था।

मारुति अर्टिगा और अन्य एमपीवी के बीच जंग

नई दिल्ली । किआ कारेन्स की भारत में लॉन्चिंग के बाद जिस तरह मारुति अर्टिगा और अन्य एमपीवी के बीच जंग दिलचस्प हो गई है, वहीं एसयूवी सेगमेंट में टाटा नेक्सॉन की महिंद्रा, मारुति, ह्यूंदै और किआ समेत अन्य कंपनियों की एसयूवी से जबरदस्त टक्कर हो रही है। अब टोयोटा भी किफायती एमपीवी सेगमेंट में अपनी नई कार लॉन्च करने की तैयारी में है और मीडिया रिपोर्ट्स में पता चल रहा है कि आने वाले समय में टोयोटा किर्लोस्कर मोटर भारत में एक नई एसयूवी से साथ ही एक नई एमपीवी भी लॉन्च करेगी। टोयोटा और सुजुकी जॉइंट वेंचर में नई मिडसाइज एसयूवी लाने की तैयारी में है, जिसे फिलहाल टोयोटा डी22 कोडनेम से पेश किया जा सकता है। इस मिडसाइज एसयूवी को डायहात्सु न्यू जेनरेशन आर्किटेक्चर प्लैटफॉर्म पर डिवेलप किया जाएगा।

अगर आप छोटे शहर से हैं तो बॉलीवुड में जगह बनाना मुश्किल होता है: रूही सिंह

एक्ट्रेस और इंफ्लुएंसर रूही सिंह का कहना है कि अगर आपके पास राइट बैक नहीं है,तो बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाना मुश्किल है। रूही कैलेंडर गर्ल्स और इश्क फॉरएवर जैसा फिल्मों के साथ ही स्पॉटलाइट, बैंग बैंग और चक्रव्यूह जैसी वेब सीरीज में भी काम कर चुकी है, उनका कहना है कि एक बाहरी व्यक्ति को अगर बॉलीवुड में काम करना है, तो उसका मानसिक रूप से मजबूत होना बहुत जरूरी है। रूही ने कहा, बॉलीवुड में अपने लिए जगह बनाना बहुत कठिन है, खासकर तब, जब आप मेरे जैसे छोटे शहर से आते हैं। और आप एक सेल्फमेड पर्सन होने के साथ ही अपनी शर्तों पर काम करते है। रूही खुद को वन चोमन आर्मी कहती है उन्होंने कहा, मैं इसे सरल रखने में विश्वास करता हूं, मैं ऑडिशन के दौरान अपना बेस्ट शॉट देती हूं और आशा करती हूं कि कोई मुझमें स्पार्क देखे और मुझ पर विश्वास करे। यह कहना काफी आसान होता है कि बस हो गया, लेकिन यहां आपको मानसिक रूप से मजबूत होना पड़ता है। मुझे पता है कि मैं परफेक्ट नहीं हूं और मैं लगातार कड़ी मेहनत कर रही हूं। मुझे लगता है कि अगर आपके पास प्रतिभा और कौशल है, तो आपको अवसर जरूर मिलेगा। अपनी आने वाली वेब सीरीज रनवे लुगाई के बारे में बात करते हुए, रूही कहती है, मैं अभी रनवे लुगाई के बारे में बात नहीं कर सकती हूं । क्योंकि मुझे इसकी परमिशन नहीं है, लेकिन मैं इतना कह सकती हूं कि यह बहुत ही एंटरटेनिंग सीरीज होगी। और मुझे खुद इसमे काम करने में बहुत मजा आया।

मैं फिल्मों में कॉमेडी जॉनर को एक्सप्लोर करना चाहती हूं:सुचित्रा पिल्लई

अभिनेत्री सुचित्रा पिल्लई फिल्म, टेलीविजन धाराबाहिकों और वेब सीरीज में एक सशक्त महिला का किरदार निभाती नजर आई हैं और अब वह खासकर फिल्मों में कॉमेडी शैली को आजमाने की ख्वाहिश रखती हैं। सुचित्रा ने बताया, मैं फिल्मों में कॉमेडी रोल करना चाहती हूं क्योंकि इस शैली में मैंने अधिक काम नहीं किया है। टेलीविजन या स्टेज पर मैं कॉमेडी किया करती थी। मैंने सुरेश मेनन, रणवीर शौरी, विनय पाठक, राकेश पॉल के साथ द ग्रेट इंडियन कॉमेडी शो किया है। मुझे कॉमेडी करना बेहद पसंद है और इसलिए मैं फिल्मों में इस शैली पर अधिक से अधिक काम करना चाहती हूं। वह आगे कहती हैं, असल जिंदगी में मैं बेहद मजाकिया हूं। स्क्रीन पर भले ही मेरी इमेज अलग है और ऐसा इसलिए क्योंकि मैं अधिकतर स्ट्रॉन्ग वुमेन वाले किरदारों में नजर आई हूं। सुचित्रा हाल ही में वेब सीरीज हेलो मिनी 3 में एक गॉडवुमेन के किरदार में नजर आई हैं। इसे एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित किया जा रहा है।

समलैंगिक प्रेम कहानी को समझना महत्वपूर्ण है: अभिनेता मृणाल दत्त

अभिनेता मृणाल दत्त आगामी वेब सीरीज हिज स्टोरी में एक समलैंगिक प्रेम कहानी में नजर आने वाले हैं। उनका कहना है कि समलैंगिग प्रेम को भी सामान्य तरीके से ट्रीट किया जाना चाहिए। साथ ही उनेहोने कहा एक गे के रोल को प्ले करने में उन्हें कोई हिचकिचाहट नहीं हुई। क्या वह छवि जाल के बारे में चिंतित थे? कि वह भविष्य में केवल इसी तरह के प्रस्तावों के साथ फंस सकते हैं? मृणाल ने बताया, ईमानदारी से कहूं तो मैंने इसके बारे में नहीं सोचा था, और मुझे स्क्रीन पर एक समलैंगिक चरित्र की भूमिका निभाने के बाद स्टीरियोटाइप होने का डर नहीं है। मुझे समलैंगिक चरित्र निभाने में कोई संकोच नहीं है। स्टीरियोटाइप होने का मुद्दा हर जगह मौजूद है, किसी भी चरित्र के साथ जिसे हम प्ले करते हैं। मृणाल ने कहा, जिस बुनियादी चीज को समझने की जरूरत है, वह यह है कि कोई व्यक्ति विपरीत लिंग के किसी अन्य व्यक्ति या समान लिंग वाले व्यक्ति के प्यार में पड़ जाता है, दोनों स्थितियों में प्यार की भावना समान रूप से तीव्र और जैविक है।

नवाब के लिए अपने फिजिक पर काम करना कभी न भूलने वाला अनुभव : पार्थ

वेब श्रृंखला मैं हीरो बोल रहा हूं में नवाब की भूमिका निभाने वाले अभिनेता पार्थ समथान का कहना है कि इस भूमिका की तैयारी एक समृद्ध अनुभव था, जिसे वह कभी नहीं भूल पाएंगे। उन्होंने कहा, नवाब की भूमिका के लिए तैयारी करना एक ऐसी यात्रा है जिसे मैं अपने पूरे जीवन के लिए संजोकर रखूंगा। इसने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। मैंने अपनी फिजिक पर काम करते हुए धीरज और अनुशासन सीखा। शूटिंग के लिए बड़े पैमाने पर शोध करने वाले अभिनेता का कहना है कि उन्हें यकीन है कि इससे उन्हें न केवल इस किरदार से बल्कि अन्य लोगों को भी मदद मिलेगी।

दिव्या अग्रवाल ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब देने में माहिर है

छोटे पर्दे के मशहूर डेटिंग रियलिटी शो स्प्लिट्सविला से मशहूर अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा एक्टिव रहती हैं। वो आए दिन अपने सोशल मीडिया पर तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। जिसको उनके चाहने वाले काफी पसंद करते हैं। अभिनेत्री का इस दौरान बोल्ड अवतार देखने को मिलता है। कई बार अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल के लुक की लोग जमकर तारीफ करते हुए नजर आते हैं। हालांकि इस बार अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल को उनके एक वीडियो के लिए ट्रोलिंग का शिकार भी होना पड़ा है। बता दें कि अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें अभिनेत्री का हॉट अवतार देखने को मिला था। इस दौरान दिव्या अग्रवाल के वीडियो पर कई लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रिया सामने आई थी। कुछ लोगों ने दिव्या अग्रवाल के वीडियो पर कमेंट कर ट्रोल करना शुरू कर दिया था। सोशल मीडिया पर दिव्या अग्रवाल को बुरी तरह ट्रोल किया जा रहा था। हालांकि ऐसे में दिव्या अग्रवाल चुप बैठने वालों में से नहीं हैं उन्होंने ट्रोलर्स को मुंहतोड़ जवाब दिया है। अभिनेत्री दिव्या अग्रवाल ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट शेयर करते हुए को ट्रोलर्स को जमकर लताड़ लगाई। जिसमें दिव्या अग्रवाल ने लिखा कि, लोग मेरी लेटेस्ट शूट को बकवास और आपत्तिजनक कमेंट कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो चीजों को अलग तरीके से देखते हैं। जब मैंने शूट किया और अपलोड किया तो मैंने ऐसा कुछ नहीं देखा। आपको लगता है कि क्लीवेज देखने के बाद में इसे हटा दूंगी। तुम सच में बहुत गलत हो ट्रस्ट मी। आपके आसपास के महिलाओं के बारे में चिंतित हूं।

जल का दोहन

दुनियाभर में आधुनिक जीवनशैली ने भूगर्भीय जल के दोहन को तो बेलगाम तरीके से बढ़ा दिया है, लेकिन उन तमाम जल संसाधनों के संरक्षण के प्रति भी उदासीन कर दिया है जो भूगर्भीय जल का स्तर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। भारत में तो इस संदर्भ में कुंओं, तालाबों और जोहड़ों का विशेष योगदान था, जो वर्षा जल संग्रहित करके रखते थे और इस तरह इलाके के भूगर्भ जल स्तर को बनाए रखने में मदद करते थे। राजस्थान के मरुस्थलीय इलाकों में इतने गहरे कुंए पाए जाते हैं कि उन्हें पातालतोड़ कुंआ कहा जाता है। दुर्भाग्य से जिन इलाकों में नलों के माध्यम से पानी पहुंच गया, वहां नागरिक और प्रशासन दोनों प्राचीन जल संसाधनों के संरक्षण के प्रति उदासीन हो गए। रही-सही कसर पूरी कर दी बिना नियंत्रण के खुदते नलकूपों ने, जो धरती के अंदर का पानी तो बाहर उलीच देते हैं, लेकिन धरती के अंदर पानी का स्तर बचाए रखने में भूमिका नहीं निभा पाते। मिसाल के तौर पर, कुछ समय पहले राजस्थान सरकार ने शहरी क्षेत्रों में भी भूगर्भीय जल के दोहन की प्रक्रिया प्रारंभ करने के पूर्व स्वीकृति के उपबंध को समाप्त कर दिया। बुंदेलखंड में हर वर्ष पानी का संकट सामान्य जीवन को अस्त-व्यस्त कर देता है। पानी के लिए हिंसक झड़पों की खबरें तो 2020 की ग्रीष्म ऋतु में भी सामने आईं, लेकिन मीडिया में उनकी चर्चा कम हुई। जल संकट की खबरें भले ही पार्श्व में चली गई हों, लेकिन मनुष्यता के लिए पानी के संरक्षण की चिंता सबसे ज्वलंत मुद्दों में एक है। इसका बड़ा कारण यह है कि अपनी जल संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए मनुष्य आज भी या तो प्रकृति पर निर्भर है या भूजल पर। ऐसे में जरूरी है कि हम प्राकृतिक जल भंडारण के स्रोतों के संरक्षण के प्रति संवेदनशील होते। लेकिन हमने परंपरागत जल स्रोतों के साथ बहुत सौतेला और स्वार्थ भरा बर्ताव किया। पुराने तालाबों, कुंओं, झीलों, बावड़ियों और कुंडों को उपेक्षित छोड़ दिया। नदियों को प्रदूषित कर दिया। स्थिति यह है कि देश की अधिकांश नदियों का पानी कई जगहों पर पीने योग्य तक नहीं पाया गया है। केंद्रीय भू-जल बोर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में 2007 से 2017 के बीच भूगर्भ जल के स्तर में 61 प्रतिशत की गिरावट आई। हालत यह हो गई कि कई नदियों के किनारे बसे गांवों में भी लोगों को पेयजल की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। महत्वपूर्ण यह है कि सारी दुनिया में भूगर्भ जल का प्रयोग करने के मामले में भारत अव्वल है। चीन और अमेरिका का स्थान क्रमशः दूसरा और तीसरा है। आईआईटी खड़गपुर और कनाडा के अथाबास्का विश्वविद्यालय की एक संयुक्त शोध रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय औसतन प्रतिवर्ष 230 घन किलोलीटर जल का उपयोग करते हैं। यह आंकड़ा वैश्विक एजेंसियों द्वारा मनुष्य समुदाय के लिए आवश्यक माने गए जल उपयोग के मानदंडों से अधिक है। माना यह भी जाता है कि एक निश्चित सीमा के बाद यदि जल का उपयोग किया जाता है, तो वह वस्तुतः उपयोग नहीं होता, बल्कि दुरुपयोग है। हम दुरुपयोग को तार्किकता की कसौटी पर सही बताने के तरीके भले निकाल लें, लेकिन यह स्थिति डराती है। खासकर तब, जब नीति आयोग की जल प्रबंधन सूचिका का यह आंकड़ा पढ़ते हैं कि देश के 75 प्रतिशत घरों में आज भी जलापूर्ति की समुचित व्यवस्था नहीं है। स्पष्ट है कि इसमें अधिक संख्या वंचित तबके की है। संपन्न वर्ग की सुविधाभोगी आदतों से जन्मे संकट का सामना इसी वर्ग को करना होता है। कहते हैं कि प्रकृति के पास सब प्राणियों की जरूरत को पूरा करने योग्य संसाधन हैं, लेकिन वह लालच किसी का भी पूरा नहीं कर सकती। दुर्भाग्य से जल उपयोग के संदर्भ में मनुष्य जाति का व्यवहार लालची भी हुआ और लापरवाह भी।

हमारी संस्कृति, सभ्यता और नववर्ष का उत्साह

सोनम लवबंशी

दुनिया का नया साल और हिन्दू सभ्यता के नए साल में अंतर है। हमारा नव संवत्सर हमारी संस्कृति, सभ्यता, मौसम के बदलाव और ग्रह- नक्षत्रों की चाल से जुड़ा है। देखा जाए तो किसी सभ्यता का अपनी संस्कृति से जुड़ाव का ये सबसे सही उदाहरण है। कहा जा सकता है कि हम विचारों और पोषाक से कितने भी आधुनिक हो जाएं, पर हमारे संस्कार हमें जड़ों से जोड़े रखते हैं और नव संवत्सर का उत्साह उसी का प्रमाण है।

हमारे देश की खूबसूरती हमारी संस्कृति में झलकती है। हमारे तो व्रत त्यौहार, ग्रह नक्षत्र यहां तक कि मौसम परिवर्तन भी प्रकृति से जुड़े हुए है। जैसे बगिया में अलग - अलग रंगों के फूलों से उसकी शोभा लाख गुना बढ़ जाती है, उसी प्रकार हमारे देश में भी विभिन्न संस्कृति परम्परा को मानने वाले लोग देश की खूबसूरती को सुशोभित करते है। यहां हर त्यौहार का अपना अलग महत्व है, प्रकृति भी हर उत्सव में अपना योगदान देती है। जिस तरह मौसम में परिवर्तन होता है उसी तरह हमारे मन मस्तिष्क में भी परिवर्तन होते है। वर्तमान दौर में देश की आबोहवा बदल रही है। पश्चिमी संस्कृति हमारे संस्कारों का गला घोंट रही है।

दुर्भाग्य देखिए कि हम एक और तो विश्वगुरु होने का दम्भ भरते हैं , स्वदेशी की बात भी करते है लेकिन अपनी ही संस्कृति को छोड़ पश्चिमी संस्कृति और रहन सहन की ओर बढ़ रहे है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसी क्या वजह है जो हम अपने संस्कृति को ही बिसार रहे हैं? भारतीय नववर्ष की गरिमा प्रतिष्ठा की महत्ता समाज में स्थापित करने के लिए स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि यदि हमें गौरव के साथ जीने का भाव अपने आप में जगाना है और अपने अंतर्मन में राष्ट्र भक्ति के बीजों को पल्लवित करना है, तो राष्ट्रीय तिथियों की ओर बढ़ना होगा।

आज हम आधुनिकता की अंधी दौड़ में भागे जा रहे है। अंग्रेजी सभ्यता में गुम होकर अपने गौरव व सांस्कृतिक मूल्यों को खोते जा रहे है। हम बात तो हिंदू व हिंदुस्तान की करते है पर अफ़सोस की हम चलते अंग्रेजों की राह पर ही है। हमारे समाज के बुद्धिजीवी वर्ग भी आज आधुनिकता के नाम पर अपने मूल्यों को खोते जा रहे है। लेकिन, हमारा दुर्भाग्य देखिए कि हम अपने महापुरुषों की कही बातों को भूलते जा रहे हैं। आज हमारा समाज पिछड़ता जा रहा है, क्योंकि हम अपने मूल्यों को बिसार रहे हैं। लोग भले ही अपने मूल्यों अपनी परम्पराओं को भूल जाए, लेकिन प्रकृति अपने मूल्यों को कभी नही बिसारती। यही वजह है कि पश्चिमी देश भी शांति की चाह में भारत का ही रुख करते है। यहां तक कि हमारी योग परम्परा से भी जुड़ रहे है।

अमेरिका जैसे देशों में तो अध्यात्म और शाकाहार जैसे विषयों पर अध्ययन तक शुरू कर दिया गया है। वहीं हमारे देश में आधुनिकता की आड़ में फूहड़ता का नंगा नाच किया जा रहा हैं। भौतिक विकास की अंधी दौड़ में हमे देर से ही सही पर यह अहसास जरूर हुआ कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में क्या क़ीमत चुकाई हमने। पेड़ काटकर कंक्रीट के महल तो जरूर बना लिए पर इन महलों में भी दो पल सुकून न मिला।

आजादी के बाद हम परतंत्रता की जंजीरों से तो मुक्त हो गए। पर सुविधा के नाम पर अपनी सभ्यता व संस्कृति को भी बिसार रहे है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात नवंबर 1952 में वैज्ञानिक और औद्योगिक परिषद के द्वारा पंचांग सुधार समिति की स्थापना की गई। समिति ने 1955 में अपनी रिपोर्ट पेश की। जिसमें विक्रमी संवत को स्वीकार करने की सिफारिश की थी। किंतु,

प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के आग्रह पर अंग्रेजी कैलेंडर (ग्रेगेरियन) को ही सरकारी कामकाज के लिए उपयुक्त मानकर 22 मार्च 1957 को इसे राष्ट्रीय कैलेंडर के रूप में स्वीकार कर लिया गया। तर्क दिया गया कि जब संसार के अधिकतर देशों ने इसे स्वीकार कर लिया तो हमें भी दुनिया के साथ चलना चाहिए। हमने सुविधा को आधार मान राष्ट्रीय गौरव से समझौता कर लिया। वहीं आज भी बांग्लादेश और नेपाल का सरकारी कैलेंडर विक्रम संवत ही है।

भारतीय नववर्ष की महत्ता निराली है। इसकी शुरुआत ही एक ऐसे दिन से होती है जब प्रकृति अपने पुराने वस्त्रों को त्याग कर नया श्रृंगार करती हैं। प्रकृति अंकुरित व पुष्पित होने की प्रक्रिया में होती है। खेतो में फसल तैयार हो चुकी होती है। शीत ऋतु अपने समाप्ति पर होती है तो वहीं ग्रीष्म ऋतु का आगमन होता है। भले ही हमारे नववर्ष की शुरुआत अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार मार्च अप्रैल के महीने में हो लेकिन इसका प्राकृतिक व सांकृतिक महत्व कही कम नही है। फिर सवाल यह उठता है कि हम क्यों पश्चिमी संस्कृति की ओर बढ़ रहे हैं? क्यों अंग्रेजी नव वर्ष को महत्व देते है जो हमारी ही संस्कृति को अपना कर आगे बढ़ रहा है। मैं यह नही कहती कि हम दूसरों की संस्कृति और सभ्यता का अपमान करें। हम तो उस संस्कृति से आते है जहां बहुजन हिताय बहुजन सुखाय का शोर गूँजता है। लेकिन, इसका ये मतलब कतई नहीं कि हम आधुनिकता के नाम पर अपनी ही संस्कृति को भूला दे। हिन्दू धर्म वैज्ञानिक जीवन पद्धति पर आधारित है। हर परम्परा के पीछे वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। जिसे हम देख कर भी अनदेखा करने की भूल करते है। हिन्दू धर्म %जियो ओर जीने दो% के सिद्धांतों पर आधारित है।

इसके अलावा भारतीय नववर्ष का ऐतिहासिक पहलू देखे तो दो हजार वर्ष पहले शकों ने सौराष्ट्र और पंजाब को रौंदते हुए अवंतिका पर विजय प्राप्त की थी। विक्रमादित्य ने राष्ट्रीय शक्तियों को एक सूत्र में बांधकर ईसा पूर्व 57 में शकों पर भीषण आक्रमण कर विजय प्राप्त की। इसी सम्राट विक्रमादित्य के नाम पर भारत में विक्रम संवत प्रचलित हुआ। उल्लेखनीय है कि भारतीय नववर्ष के पौराणिक महत्व को देखें तो यह सृष्टि रचना का प्रथम दिन है। इसी दिन प्रभु राम ने लंका पर विजय प्राप्ति के बाद अयोध्या में राज्याभिषेक के लिए इस दिन को चुना था। इस दिन माँ शक्ति की आराधना की जाती है। एक ओर हम सांकृतिक होने का दम्भ भरते है तो वही दूसरी ओर अपने गौरवशाली इतिहास और परंपरा से दूर हो रहे है। आज हमारे देश वासियों को यह समझना होगा कि आधुनिकता का कतई मतलब नही की हम अपनी संस्कृति का गला घोंट दे। आज देश को अपने मूल्यों को समझना होगा तभी हम विश्वगुरु बन सकते और विश्व का नेतृत्व कर सकते। जब विश्व हमारी परंपरा में अपना वजूद बचाने की तलाश करता फ़िर हम दूसरे के पीछे क्यों भगाते? हमें इसे सोचना होगा। हम अपने अतीत को भुलाकर बेहतर भविष्य के सपने नहीं गढ़ सकते हैं।

श्रद्धा के मुताबिक पूजा

हरेक व्यक्ति में चाहे वह जैसा भी हो, एक विशेष प्रकार की श्रद्धा पाई जाती है। लेकिन उसके द्वारा अर्जित स्वभाव के अनुसार उनकी श्रद्धा उत्तम (सतोगुणी), राजस (रजोगुणी) अथवा तामसी कहलाती है। अपनी श्रद्धा के अनुसार ही वह कतिपय लोगों से संगति करता है। अब वास्तविक तथ्य तो यह है कि जैसा कि गीता के 15 वें अध्याय में कहा गया है कि प्रत्येक जीव परमेश्वर का अंश है। अतएव वह मूलतः इन समस्त गुणों से परे होता है। लेकिन जब वह भगवान के साथ अपने सम्बन्ध को भूल जाता है और बद्ध जीवन में भौतिक प्रकृति के संसर्ग में आता है तो वह विभिन्न प्रकार की प्रकृति के साथ संगति करके अपना स्थान बनाता है। इस प्रकार से प्राप्त कृत्रिम श्रद्धा तथा अस्तित्व मात्र भौतिक होते हैं। भले ही कोई किसी धारणा या देहात्मबोध द्वारा प्रेरित हो लेकिन मूलतः वह निगुरुण या दिव्य होता है। अतएव भगवान के साथ अपना सम्बन्ध फिर से प्राप्त करने के लिए उसे भौतिक कल्मष से शुद्ध होना पड़ता है। यही एकमात्र मार्ग है, निर्भय होकर कृष्णभावनामृत में लौटने का। श्रद्धा मूलतः सतोगुण से उत्पन्न होती है। मनुष्य की श्रद्धा किसी देवता, किसी कृत्रिम ईश्वर या मनोधर्म में हो सकती है लेकिन प्रबल श्रद्धा सात्त्विक कार्यों से उत्पन्न होती है। किंतु भौतिक बद्धजीवन में कोई भी कार्य शुद्ध नहीं होता। वे मिश्रित होते हैं। वे शुद्ध सात्त्विक नहीं होते। शुद्ध सत्त्व दिव्य होता है। इसमें रहकर मनुष्य भगवान के स्वभाव को समझ सकता है। जब तक श्रद्धा पूर्णतया सात्त्विक नहीं होती, वह प्रकृति के किसी भी गुण से दूषित हो सकती है। ये दूषित गुण हृदय तक फैल जाते हैं। अतः किसी विशेष गुण के सम्पर्क में रहकर हृदय जिस स्थिति में होता है, उसी के अनुसार श्रद्धा होती है।

नवसंवत्सर का अतीत,वर्तमान और भविष्य!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

चैत्रे मासि जगद् ब्रह्मा ससर्ज प्रथमेऽहनि।

शुक्ल पक्षे समग्रे तु तदा सूर्योदये सति।

नवसंवत्सर को रेवती नक्षत्र में, विष्कुंभ योग में दिन के समय भगवान के आदि अवतार मत्स्यरूप का प्रादुर्भाव माना जाता है।प्रथम सत् युग के प्रारंभ की तिथि भी यही है। इसी दिन सम्राट चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने शकों पर विजय प्राप्त की थी और उसे चिरस्थायी बनाने के लिए विक्रम संवत प्रारंभ किया था।21 मार्च को पृथ्वी सूर्य की एक परिक्रमा पूरी कर लेती है, उस समय दिन और रात बराबर होते हैं,12 माह का एक वर्ष और 7 दिन का एक सप्ताह रखने का प्रचलन विक्रम संवत से ही शुरू हुआ था। महीने का हिसाब सूर्य व चंद्रमा की गति पर रखा गया है। विक्रम कैलेंडर की इस धारणा को यूनानियों के माध्यम से अरब और अंग्रेजों ने भी अपनाया है। विक्रम संवत से पूर्व 6676 ईसवी पूर्व से शुरू हुए प्राचीन सप्तर्षि संवत को हिंदुओं का सबसे प्राचीन संवत माना जाता है, जिसकी विधिवत शुरुआत 3076 ईसवी पूर्व हुई मानी जाती है।श्रीकृष्ण के जन्म की तिथि से कृष्ण कैलेंडर की शुरुआत हुई और फिर कलियुग संवत का आरम्भ हुआ। कलियुग के प्रारंभ के साथ कलियुग संवत की 3102 ईसवी पूर्व में शुरुआत हुई थी। संवत्सर के पाँच प्रकार माने गए हैं जिनमे सौर, चंद्र, नक्षत्र, सावन और अधिमास शामिल है। विक्रम संवत की में इन सभी का समावेश है। विक्रम संवत की शुरुआत 57 ईसवी पूर्व में हुई थी।चूंकि इसको शुरू करने वाले सम्राट विक्रमादित्य थे इसीलिए उनके नाम पर ही इस संवत का नाम रखा गया है। इसके बाद 78 ईसवी में शक संवत का आरम्भ हुआ था।नवसंवत्सर से शुरू हो रहे वर्ष के पाँच प्रकार सौर, चंद्र, नक्षत्र, सावन और अधिमास होते हैं। मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क आदि सौरवर्ष के माह हैं। यह 365 दिनों का है। इसमें वर्ष का प्रारंभ सूर्य के मेष राशि में प्रवेश से माना जाता है। फिर जब मेष राशि का पृथ्वी के आकाश में भ्रमण चक्र चलता है तब चंद्रमास के चैत्र माह की शुरुआत हो जाती है। सूर्य का भ्रमण इस समय किसी अन्य राशि

सौरमास 365 दिन का और चंद्रमास 355 दिन का होने से प्रतिवर्ष 10 दिन का अंतर आ जाता है। इन दस दिनों को चंद्रमास ही माना जाता है। फिर भी ऐसे बढ़े हुए दिनों को मलमास या अधिमास कहते हैं। लगभग 27 दिनों का एक माह के उस दिन से होती है जिस दिन ब्रह्मा ने सृष्टि रचना की शुरुआत की थी। इसी दिन से सतयुग की शुरुआत मानी जाती है। इसी दिन भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार लिया था। इसी दिन भगवान राम का राज्याभिषेक हुआ था और पूरे अयोध्या नगर में विजय पताका फहराई गई थी। इसी दिन से रात्रि की अपेक्षा दिन बड़ा होने लगता है। इसी दिन से चैत्र पंचांग का आरम्भ माना जाता है, क्योंकि चैत्र मास की पूर्णिमा का अंत चित्रा नक्षत्र में होने से इस चैत्र मास को नववर्ष का प्रथम दिन माना गया है।रात्रि के अंधकार में नववर्ष का स्वागत नहीं होता। नये वर्ष पर सूरज की पहली किरण का स्वागत करके यह नववर्ष नवसंवत्सर के रूप में मनाया जाता है। नववर्ष के ब्रह्ममुहूर्त में उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर पुष्प, धूप, दीप, नैवेद्य आदि से घर में सुगंधित वातावरण करते है।

में हो सकता है।चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ आदि चंद्रवर्ष के माह हैं। चंद्र वर्ष 354 दिनों का होता है, जो चैत्र माह से शुरू होता है। चंद्र वर्ष में चंद्र की कलाओं में वृद्धि हो तो यह 13 माह का होता है। जब चंद्रमा चित्रा नक्षत्र में होकर शुक्ल प्रतिपदा के दिन से बढ़ना शुरू करता है तभी से हिंदू नववर्ष की शुरुआत मानी गई है। नक्षत्रमास होता है। इन्हें चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा आदि कहा जाता है। सावन वर्ष 360 दिनों का होता है। इसमें एक माह की अवधि पूरे तीस दिन की होती है।नववर्ष को भारत के प्रांतों में अलग-अलग तिथियों के अनुसार मनाया जाता है। ये सभी महत्वपूर्ण तिथियाँ मार्च और अप्रैल के महीने में आती हैं। इस नववर्ष को प्रत्येक प्रांत में अलग-अलग नामों से जाना जाता है।लेकिन मुख्यतः चैत्र माह से ही नववर्ष की शुरुआत मानी गई है और इसे नव संवत्सर के रूप में जाना जाता है। गुड़ी पड़वा, होला मोहल्ला, युगादि, विशु, वैशाखी, कश्मीरी नवरेह, उगाडी, चेटीचंड, चित्रैय तिरुविजा आदि सभी की तिथि इस नव संवत्सर के आसपास ही आती है। इस विक्रम संवत में नववर्ष की शुरुआत चंद्रमास के चैत्र

युद्ध की विभीषिका की भेंट चढ़ता बचपन

प्रभुनाथ शुक्ल

दुनिया में शांति सिर्फ बुद्ध के रास्ते से आएगी युद्ध से नहीं।युद्ध का सबसे बुरा प्रभाव बच्चों पर पड़ता है। पूरे विश्व भर में अब तक हजारों बेजुबान मासूम युद्ध की भेंट चढ़ चुके हैं। ग्लोबल मंच पर बाल अधिकार की बात करने वाली संस्थाएं हाथ बांधे खड़ी हैं। यूक्रेन और रूस के मध्य छिड़ी जंग खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे हालात में संयुक्तराष्ट्र संघ, यूनिसेफ और नाटो जैसी वैश्विक संस्थाओं का फिर मतलब क्या है। अभी तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दुनिया के सबसे ताकतवर नेता के रूप में उभरे हैं। उनकी जिद के आगे संवैधानिक वैश्विक संस्थाएं बेमतलब साबित हुई है। दुनिया भर के मुल्कों ने पुतिन से युद्ध रोकने की अपील कि लेकिन उन्होंने किसी को तवज्जो नहीं दिया। संयुक्तराष्ट्र संघ, अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय और नाटो जैसी संस्थाएं, यूरोपीय संघ सारे प्रतिबंध लगाने के बावजूद भी पुतिन को युद्धविराम के लिए नहीं मना सकीं। अमेरिकी राष्ट्रपति जोबाइडन भी यूक्रेन और रूस के मध्य नहीं आना चाहते। सिर्फ बंदरघुड़की से काम चलाना चाहते हैं जबकि यूक्रेन बर्बाद हो रहा है।

यूक्रेन और रूस की जनता कभी भी युद्ध नहीं चाहती थी। लेकिन दोनों राजनेताओं ने देश को युद्ध की विभीषिका में ढकेल दिया। संभवत है इसका एहसास ब्लादीमीर पुतिन और जेलेंस्की दोनों कर रहे होंगे। युद्ध की विभीषिका से उबरने के बाद पुतिन और जेलेंस्की के हाथ में क्या होगा इस पर भी उन्हें विचार करना होगा।

क्योंकि पुतिन के फैसले के खिलाफ रूस में भी आम नागरीकों ने प्रदर्शन किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति की पत्नी ओलेना ने रूसी सैनिकों की माताओं से एक मार्मिक अपील की है। उन्होंने लिखा है देखिए आपके बेटे किस तरह हमारे पति, बच्चे और भाइयों का कत्ल कर रहे हैं। कोई भी मां किसी बच्चे को इस तरह कत्ल होते नहीं देख सकती। रूसी हमले में अब तक 144 से अधिक मासूम बच्चों की मौत हो चुकी है जबकि ढाई सौ से अधिक बच्चे घायल हुए हैं। युद्ध की विभीषिका का असर रूस और यूक्रेन की अर्थव्यवस्था पर भारी पड़ेगा। क्योंकि यूरोपीय संघ ने रूस पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। युद्ध के खात्मे के बाद चीन और भारत वैश्विक प्रतिबंधों को किनारे कर रूस कि कितनी मदद करते हैं यह भविष्य के गर्त में है। यूक्रेन के जिन बेगुनाह मासूम बच्चों के हाथों में खिलौने, किताबें और सपने होने चाहिए उन्हें दर्दनाक मौत मिल रही है। रूसी हमले में उनके स्कूलों को तबाह कर दिया गया है। अस्पताल खंडहर में तब्दील हो गए हैं। मां-बाप की मौत से तमाम बच्चे अनाथ हो गए हैं। लेकिन दुनिया यह सब मौन होकर देख रही है। सेव द चिल्ड्रन की एक रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन के 60 लाख बच्चों का भविष्य दांव पर लगा हुआ। 464 स्कूल तबाह हो गए हैं। अस्पतालों में इलाज की सुविधा बंद हो गई। युद्ध की वजह से यूक्रेन के 75 लाख बच्चों में 15 लाख ने देश छोड़ दिया है। अभी तक युद्ध का खतरा टला नहीं है। संयुक्तराष्ट्र संघ और दुनिया यूक्रेन की बर्बादी पर कुछ नहीं कर पायी हैं। अगर यह स्थिति रूस के साथ होती तो किस तरह के हालत होते।

सेव द चिल्ड्रन रिपोर्ट के अनुसार यूक्रेन में 80 हजार बच्चे जो मां के गर्भ में है उन्हें जन्म लेना है। इस जंग की हालात में किस तरह से उन्हें मैटरनिटी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी उस स्थिति में जब अस्पताल ध्वस्त हो चुके हैं दवाओं और दूसरी सुविधाओं का अकाल है। क्या यह मातृत्व और बाल अधिकारों पर कुठाराघात नहीं है। यूनिसेफ और संयुक्तराष्ट्र ने क्यों मुंह को सील लिया है। अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के युद्ध रोकने के फैसले के बाद भी युद्ध नहीं रुक रहा है। युद्ध किसी समस्या का हल नहीं। एक युद्ध भविष्य में कई युद्ध की आधारशिला रखता है। सवाल सिर्फ यूक्रेन और रूस के युद्ध का नहीं। सीरिया अफगानिस्तान, यमन, इराक और सोमालिया जैसे देशों का भी है। यहां लाखों बच्चे युद्ध की भेंट चढ़ गए हैं। लेकिन बच्चों के अधिकारों को लेकर पूरी दुनिया मौन है।

सूडोकु नवताल- 6029

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6028 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

पाक क्यों बने किसी का पायदान?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

इमरान खान के इस दावे पर उनके विरोधी हंस रहे हैं कि अमेरिका उन्हें उनके प्रधानमंत्री पद से हटाने की कोशिश कर रहा है लेकिन यह सच है कि अमेरिका दुनिया के सभी देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस-विरोधी रवैया अपनाएं। इसका सबसे पुख्ता प्रमाण तो अमेरिका के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीपसिंह की भारत-यात्रा है। भारतीय मूल के इस अधिकारी को दिल्ली क्यों भेजा गया है? इसीलिए कि वह भारत सरकार पर दबाव डाले यूक्रेन के मामले में! उसने कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने हमारे विदेश मंत्री जयशंकर को कह दिया कि यदि आप अमेरिका का समर्थन नहीं करेंगे तो उसके दुष्परिणाम होंगे। उसने यह डर भी दिखाया कि अगर चीन ने भारत पर हमला कर दिया तो रूस बचानेवाला नहीं है। जयशंकर को चाहिए था कि वे दलीपसिंह से पूछते कि क्या अमेरिका यूक्रेन को बचा रहा है? उसे अमेरिका ने पानी पर चढ़ाकर अकेले मरने को छोड़ रखा है। अमेरिका ने पाकिस्तान को अपना दुमछल्ला बनाकर कई दशकों तक अधर में लटकाए रखा। उसे सोवियत संघ और भारत के खिलाफ भड़काता रहा लेकिन क्या 1965, 1971 और कारगिल के युद्धों में उसने पाकिस्तान का साथ दिया? बिल्कुल नहीं। इसी बात को ध्यान में रखकर इमरान ने बिल्कुल ठीक कहा कि भारत की विदेश नीति एकदम सही रास्ते पर चल रही है और वे भी उसे स्वतंत्र रास्ते पर चलाना चाहते हैं। वे पाकिस्तान को किसी महाशक्ति का पायदान नहीं बनने देना चाहते हैं। उनके रूस जाने पर अमेरिका का भड़कना बिल्कुल अनुचित है। उनकी रूस-यात्रा यूक्रेन-विवाद के पहले ही तय हो चुकी थी। उन्होंने भी भारत की तरह न रूस का विरोध किया और न ही समर्थन ! इस रवैए से अमेरिका का नाराज़ होना स्वाभाविक है। इसीलिए वाशिंगटन स्थित पाकिस्तानी राजदूत को एक अमेरिकी अफसर ने काफी जोर से हड़काया। इस्लामाबाद में अमेरिकी राजदूत ने भी इमरान को कोई चिट्ठी लिखी है। अब इमरान कह रहे हैं कि वे अमेरिकी साजिश की तहत हटाए जा रहे हैं। इस कथन में ज्यादा दम नहीं है। उन्हें अपने दल की बगावत के कारण यह मुसीबत झेलना पड़ रही है लेकिन पाकिस्तान के इतिहास की यह अविस्मरणीय घटना बन गई है कि उसके प्रधानमंत्री ने भारतीय विदेश नीति की खुले-आम तारीफ की है। इमरान का भविष्य चाहे जो भी हो, क्या इस घटना से पाकिस्तान कोई सबक लेगा या नहीं? भारत ने जहां अमेरिका के दबाव को रद्द किया है।

घट स्थापना के साथ नवरात्रि आरंभ, हुई दुर्गा की आराधना

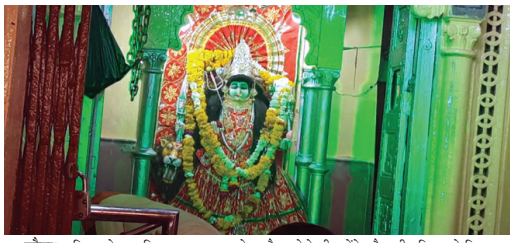

मुरैना। शनिवार से नवरात्रि का उत्सव शुरू हो गया है। नवरात्रि का पर्व इस बार पूरे नौ दिन तक मनाया जायेगा। नवरात्रि के पहले दिन देवी मंदिरों पर काफी भीड़ देखी गई। शनिवार से शुरू हुई नवरात्रि महोत्सव का समापन 10 अप्रैल को रामनवमीं के दिन होगा। नवरात्रि के प्रथम दिन शनिवार को देवी मंदिरों पर भक्तों की कतार नजर आई। शहर के अधिकांश देवी मंदिरों को सजाया गया। शनिवार से चैत्रीय नवरात्र की शुरूआत हो रही है। सनातन धर्मी लोगों के लिए नवरात्र का पर्व विशेष रहता है। लोग चैत्रीय नवरात्र का पूरे वर्ष तक इंतजार करते हैं क्योंकि इन दिनों देवी की आराधना विशेष फलदायी होती है। जिले में स्थित शक्तिस्थलों पर नवरात्रि के दौरान मेले भी लगेंगे। चैत्र की प्रतिपदा से हिन्दू नव संवत्सर की शुरूआत भी होती है। वैसे तो नवरात्रि में मां दुर्गा की पूजा का विशेष महत्व है परन्तु इनमें से चैत्रीय नवरात्र को कुछ अधिक ही महत्व बताया जाता है।

पर्व पर महंगाई का असर

श्रद्धा और आस्था के महापर्व चैत्रीय नवरात्र पर महंगाई का असर साफ देखा जा रहा है। पहले जो नारियल 10 रुपये में मिल रहा था, उसकी कीमत 20 और 25 रुपये पहुंच गई है। व्रत, आहार में इस्तेमाल होने वाले ड्राइफ्रूट, सिंघाड़े, साबूदाने, कुट्टू आटा एवं फलों की कीमतें भी आसमान छू रही हैं। ऐसे में श्रद्धा का त्यौहार महंगाई की मार के चलते श्रद्धालुओं के लिए थोड़ा महंगा साबित होगा।

घर-घर विराजेंगी शक्ति की अधिष्ठात्री

शनिवार को चैत्र प्रतिपदा के साथ ही नवरात्र का प्रारंभ भी होगा। शक्ति की भक्ति का पर्व नवरात्र शनिवार को घट स्थापना के साथ प्रारंभ हुआ। माँ दुर्गा के भक्त उनको प्रसन्न करने के लिये उपवास भी रखते हैं।

सज धज कर तैयार माता के दरबार

अंचल में चैत्र नवरात्रि की विशेष मान्यताओं को लेकर अंचल के प्राचीन माँ दुर्गा के मंदिर जिनमें बड़ोखर, बसैया, बहरारा, निरार, बड़ोखर, महामाया, ज्ञानेश्वरी मंदिर में प्रबंधन द्वारा नवरात्र को लेकर आकर्षक साज सज्जा की गई है।

श्रद्धालु कैलादेवी हुये रवाना

नवरात्र के प्रथम दिन राजस्थान के करौली में माँ कैलादेवी के दर्शन करने के लिये अंचल से हजारों की संख्या में माँ दुर्गा के भक्त कैलादेवी के लिये रवाना हो गये हैं।

रामपुर पुलिस ने कट्टाधारी बदमाश को पकड़ा

मुरैना। रामपुर थाना पुलिस ने शुक्रवार की रात विजयपुर रोड चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान एक कट्टाधारी बदमाश को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बदमाशों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रामपुर थाना प्रभारी अरुण सिंह कुशवाह शुक्रवार की शाम वाहन चेकिंग कर रहे थे, तभी विजयपुर रोड चौराहे पर वाहन चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति संदिग्ध दिखा और तलाशी ली तो उसके कब्जे से 315 बोर का एक कट्टा एवं दो जिंदा कारतूस मिले। पुलिस ने मौके पर कट्टा बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज किया।

गैस रिफिलिंग का गोदाम पकड़ा, 70 सिलेंडर बरामद, मुख्य आरोपी फरार

मुरैना। रिहायशी इलाके में अवैध रूप से गैस रिफिलिंग के गोदाम पर पुलिस टीम ने छापा मारकर 70 सिलेंडर बरामद करते हुए मामला दर्ज किया है, वही मुख्य आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग को सूचित कर अग्रिम कार्रवाई के लिए कहा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनागढ़ रोड पर एक व्यक्ति द्वारा घर के अंदर अवैध रूप से गैस रिफिलिंग का गोदाम संचालित किया जा रहा था, जिसकी सूचना सिटी कोतवाली पुलिस को मिली तो पुलिस टीम ने शनिवार को वहां छापा मारा। पुलिस को देख घटनास्थल से मुख्य आरोपी भाग निकला। टीम ने मौके से 70 सिलेंडर जप्त किए हैं, जिनकी कीमत डेढ़ लाख रुपए से अधिक बताई गई है। कोतवाली पुलिस द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को बुलाकर गैस रिफिलिंग का गोदाम संचालित करने वाले आरोपी के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि शहर में घर के अंदर रिहायशी इलाके में गैस रिफिलिंग का गोदाम चलाना गैरकानूनी था और इससे कभी भी कोई हादसा हो सकता था। पुलिस टीम को शहर के अन्य इलाकों में भी इसकी जांच करनी चाहिए, इस प्रकार के अवैध कार्यों पर रोक लगाई जा सके।

शक्कर कारखाना बचाओ आंदोलन को लेकर सर्वदलीय संघर्ष समिति की बैठक हुई संपन्न

13 अप्रैल को होगा जेल भरो आंदोलन

कैलारस। शक्कर कारखाना बचाने के लिए सर्वदलीय संघर्ष समिति द्वारा जारी आन्दोलन के क्रम में बैठक आयोजित की गई, जिसमें तय किया गया कि जलियांवाला हत्याकांड शहीद दिवस के दिन 13 अप्रैल को सत्याग्रह कर गिरफ्तारियां दी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि जिले का एकमात्र बड़ा उद्योग शक्कर कारखाना 1971 में चालू होने से क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ी, लोगों को रोजगार मिला व किसानों की आर्थिक व सामाजिक स्थिति मैं तेजी से विकास हुआ। लेकिन नव उदारवादी नीतियों के चलते राज्य सरकार द्वारा कारखाने को आर्थिक सहायता देने के बजाय 2009 में गन्ना होते हुए भी बंद कर दिया गया, तब से किसानों की खेती घाटे में जाने से बेरोजगारी बढ़ी है एवं बड़ी संख्या में क्षेत्र से नौजवानों को रोजगार के लिए पलायन करना पड़ रहा है। विधानसभा के चुनावों में कई बार मुख्यमंत्री द्वारा शक्कर कारखाना चलाने की घोषणा की गई लेकिन चलाने के बजाय शक्कर कारखाने की नीलामी कर दी गई, जबकि किसानों व कर्मचारियों का बकाया

भुगतान भी नहीं किया गया है। इन्हीं मांगों को लेकर संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा लगातार आंदोलनात्मक गतिविधियां जारी हैं। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए शक्कर कारखाना बचाओ सर्वदलीय संघर्ष समिति द्वारा 13 अप्रैल को जलियांवाला हत्याकांड शहादत दिवस के दिन गिरफ्तारियां दी जाएंगी, जिसमें जिले के वर्तमान विधायक व पूर्व विधायकों सहित विभिन्न दलों के नेतागण भाग लेंगे। सर्वदलीय संघर्ष समिति की बैठक में किसान सभा के जिला उपाध्यक्ष गयाराम सिंह धाकड़, कांग्रेस से ब्रजमोहन मरैया, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव महेश प्रजापति, बहुजन समाज पार्टी से नंदलाल खरे, डॉ शरीफ कुरैशी, व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता, मध्यप्रदेश किसान सभा के भौरूलाल लाल धाकड़ आदि उपस्थित रहे।

पुष्पा पारा का सरकारी खर्च पर किया अपेंडिक्स का ऑपरेशन

मुरैना। मुरैना जिले की कुम्हेरी की रहने वाली 45 वर्षीय श्रीमती पुष्पा पारा का अपेंडिक्स का ऑपरेशन सरकारी खर्च पर किया गया। आयुष्मान भारत निरामय कार्ड पर हुये निःशुल्क ऑपरेशन पर पुष्पा पारा सहित उनके पति ओमप्रकाश पारा बहुत खुश है। ओमप्रकाश पारा कहते है कि भारत सरकार और मध्यप्रदेश सरकार दोंनो ही धन्यवाद की पात्र है, जिन्होंने हम जैसे हजारों, लाखों गरीब परिवारों को भारत आयुष्मान कार्ड बनाकर उपचार के लिये व्यवस्था दी है। ओमप्रकाश ने कहा कि अगर यह कार्ड नहीं होता तो पत्नि को बचा नहीं पाता। क्योंकि मैं और मेरे बच्चे मजदूरी करके दो वक्त की रोटी का इंतजाम कर पाते है। महीने में 10 से 12 हजार रूपये कमा पाते है, घर में 12 से 14 सदस्य है। इतना घर में पैसा नहीं बचता कि उपचार, दवा के लिये खर्च किया जाये। पत्नि श्रीमती पुष्पा पारा पिछले दो वर्ष से पेट के दर्द से परेशान थी। ओमप्रकाश ने बताया कि मैंने पहले भी बच्चादानी का ऑपरेशन निजी हास्पीटल में कराया था। इस कारण घर में और अधिक पैसो की तंगी हो गई। पेट में दर्द ज्यादा होने पर मैंने पत्नि को जिल्ल अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉ. प्रदीप मिश्रा ने बताया कि आयुष्मान भारत निरामय का कार्ड हो तो ले आओ, नहीं है तो बनवा देते है, क्योंकि अपेंडिक्स का दर्द है। ऑपरेशन करना पडेगा। ओमप्रकाश ने बताया कि मैंने आयुष्मान भारत निरामय कार्ड जमा कराया साथ ही 14 मार्च को पत्नि को भर्ती किया। जांचों के उपरांत पत्नि का 15 मार्च को अपेंडिक्स का सफल ऑपरेशन हो गया। पत्नि बिल्कुल ठीक है। जिल्ल हॉस्पीटल से भी हर तरह का सहयोग एवं स्टाफ द्वारा पूरी मदद मिली। ओमप्रकाश ने बताया कि अब मुझे मालूम पड रया है कि सरकार द्वारा दिया गया आयुष्मान भारत निरामय कार्ड पर मैं अपने परिवार का उपचार 5 ल्रख रूपये तक करा सकता हूं। ओमप्रकाश ने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति धन्यवाद देते हुये कहा कि गरीब के हितों में ऐसी योजनायें लगातार चलती रहना चाहिये। जिससे गरीब व्यक्ति अपने परिवार में बीमार होने पर उपचार करा सकें।

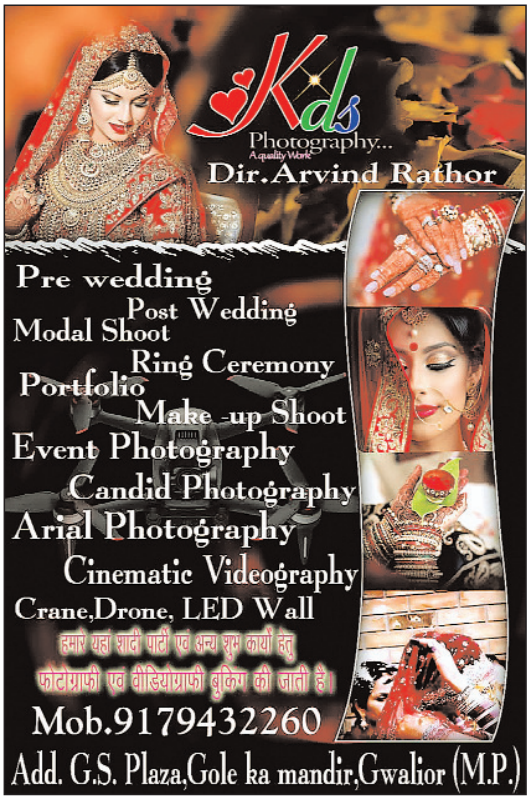

धरना स्थल पर महिलाओं ने बनाया खाना, बढ़ती महंगाई पर कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला

मुरैना। शनिवार को शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से बढ़ती महंगाई को लेकर आयोजित जंगी धरना प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस महिला कार्यकर्ताओं ने गैस चूल्हे पर खाना बनाया और बढ़ती महंगाई के विरुद्ध गीत गाते हुए केंद्र एवं प्रदेश सरकार को कोसा। इस मौके पर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की गलत नीतियों से जनता को अवगत कराया और महंगाई के लिए जिम्मेदार ठहराया। मध्य प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सुधांशु त्रिपाठी ने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लगातार पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस के दाम बढ़ाए जा रहे हैं, जिसके चलते खाद्य सामग्रियों के भी दाम बढ़ रहे हैं। महंगाई से जनता का बुरा हाल है और आम जनता के घर का बजट बिगड़ गया है। केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण

महंगाई रुकने का नाम नहीं ले रही है और प्रधानमंत्री महंगाई पर एक शब्द भी नहीं बोल रहे हैं, यही नहीं प्रदेश सरकार जले पर नमक छिड़क रही है तथा टैक्स टैक्स कम नहीं कर रही, जिस कारण लोगों को पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस तो महंगे मिल ही रहे हैं, वही खाद्य सामग्रियों एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम भी आसमान छू रहे हैं। उन्होंने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर पूरे देश में कांग्रेस द्वारा महंगाई के विरुद्ध जन आंदोलन किया जा रहा है। धरना प्रदर्शन को विधायक सहित अन्य पदाधिकारियों द्वारा संबोधित कर केंद्र एवं प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर आक्रोश प्रकट किया। इस अवसर पर विधायक राकेश मावई, शहर जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा पूर्व विधायक सूबेदार सिंह सिकरवार, जिला पंचायत के उपाध्यक्ष मानवेन्द्र गाँधी, सुमावली विधानसभा कांग्रेस अध्यक्ष राकेश सिंह परमार, अशोक सिंह भदोरिया, प्रमोद शर्मा हुसैनपुर, विक्रम राज मुद्दल, सौरव सोलंकी, महामंत्री वीरेंद्र सिंह हर्षाना, महामंत्री सुनील शर्मा, सचिव मदन शर्मा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मुरैना दक्षिण के अध्यक्ष अब्दुल रज्जाक पटेल, प्रवक्ता राजेन्द्र यादव, प्रवक्ता कौशल पंडित, सुधीर मावई जिला अध्यक्ष सेवादल, महामंत्री गौरव चतुर्वेदी, महामंत्री विनोद शर्मा व पदाधिकारी गण, सेकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हिंदू जागरण मंच ने शहीद संग्रहालय पर बनाया सैल्फी प्वाइंट

मुरैना। हिन्दू नव वर्ष की पूर्व संध्या पर हिंदू जागरण मंच इकाई मुरैना द्वारा शहीद संग्रहालय पर सेल्फी प्वाइंट बनाया गया, जिसमें लोगों को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी गई और सेल्फी प्वाइंट पर फोटो लेकर सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन को नववर्ष की शुभकामनाएं देने के लिए प्रेरित किया गया। सेल्फी प्वाइंट शहीद संग्रहालय पर भारत माता की आरती से शुरू हुआ। आरती में संगठन के प्रांत अध्यक्ष एवं क्षेत्रीय संयोजक राजीव डंडोतिया, कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त गिर्राज डंडोतिया, भाजपा जिला अध्यक्ष योगेश पाल गुप्ता, जिला पंचायत सदस्य राकेश रूस्तम सिंह के अलावा मातृशक्ति सहित शहर के आम नागरिक और हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर नववर्ष की पूर्व संध्या पर भजन संध्या का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विदित हो कि यह सेल्फी प्वाइंट लगातार 2 दिन तक रहेगा ताकि लोग नववर्ष की शुभकामनाएं सोशल मीडिया के माध्यम से जन-जन तक पहुंचा सके। नव वर्ष के शुभारंभ 2 अप्रैल प्रतिपदा कि सुबह कार्यकर्ता ढोल नगाड़ों के साथ शहर में निकले और आमजन को चंदन रोली का तिलक कर नव संवत्सर 2079 की शुभकामनाएं दी हैं।

मेडिकल कॉलेज के पास हो रहा अवैध अतिक्रमण नगर पालिका सीएमओ बेखबर

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खबर शिवपुरी मेडिकल कॉलेज के पास से है जहां पर मेडिकल कॉलेज से सटी दीवार के पास शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण हो रहा है यहां पर स्थानीय लोगों द्वारा अपनी टपरिया डाल दी गई है जिनमें स्थानीय लोगों द्वारा दुकानों को संकलित किया जा रहा है यह जमीन शासकीय है पर प्रशासन द्वारा यहां पर कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है अतिक्रमण पर प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है प्रशासन द्वारा शिवपुरी जिले में जगह जगह पर अतिक्रमण को हटाया जा रहा है पर शिवपुरी मेडिकल कॉलेज के पास जो अतिक्रमण हो रहा है उस पर यातायात पुलिस व नगरपालिका के कोई भी अधिकारी का कोई ध्यान नहीं है आपको बता दें कि यहां पर काफी समय से यहां के स्थानीय लोगों द्वारा दुकानों को संचालित किया जा रहा है पर प्रशासन यहां पर कोई भी कार्वाई करने में नाकाम दिखाई दे रहा है

अतिक्रमण की वजह से सड़क हो रही है आधी

यहां पर अतिक्रमण होने की वजह से दुकानों पर जो ग्राहक आते हैं उनके द्वारा सड़क पर ही अपनी गाड़ियों को पार्क किया जाता है जिससे लोगों को आने जाने में परेशानी होती है और अतिक्रमण होने से सड़क केवल आधी रह गई है मगर प्रशासन यहां पर अभी कोई ध्यान नहीं दे रहा है

क्या कर रही है नगरपालिका और कहां है उनके सीएमओ साहब

सवाल यह खड़े होते हैं कि प्रशासन को यहां के अतिक्रमण के बारे में कोई जानकारी नहीं है या फिर प्रशासन अतिक्रमण धारियों पर कोई कार्यवाही नहीं करना चाहत है ? अगर प्रशासन को इस अतिक्रमण की जानकारी है तो प्रशासन द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही क्यों नहीं की गई है? क्या नगर पालिका सीएमओ सिर्फ उन्हीं जगह पर कार्वाई करता है जहां पर लोगों का आना जाना ज्यादा होता है या फिर सीएमओ साहब यह बताना चाहते हैं कि वह नगरपालिका अपने ऑफिस में ना बैठते हुए दिन रात अतिक्रमणकारियों पर कार्यवाही कर रहे हैं तो फिर यह अतिक्रमण उनकी देखरेख में पल रहा है क्या इस पर सीएमओ साहब किसी प्रकार की कोई जानकारी मीडिया से ना बात करते हैं ना ही मीडिया का फोन उठाते हैं इसकी जवाबदारी नगर पालिका सीएमओ की है जो कि हर खबर से बेखबर रहते हैं

अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा सनातन की सामाजिक बैठक 3 अप्रैल को वार्ड 37 में

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की रूपरेखा तैयार करने के साथ-साथ भगवान परशुराम जयंती को लेकर बैठक का आयोजन अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा सनातन के द्वारा 3 अप्रैल रविवार शाम 4:00 बजे एकता हाई स्कूल कमला गंज में किया जाएगा। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा सनातन के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम कांत शर्मा, मीडिया प्रभारी राजकुमार सरैया एवं संभागीय सचिव महावीर मुदगल ने संयुक्त रूप से बताया कि सामाजिक कार्यक्रमों में हर व्यक्ति की सहभागिता तथा ब्राह्मण समाज को संगठित करने के उद्देश्य से वार्ड 37 में विप्र बंधुओं की बैठक आयोजित की जा रही है। वार्ड में आयोजित होने वाली बैठकों में वार्ड अध्यक्ष के साथ-साथ कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।बैठक में बैंक कॉलोनी, श्रीलाल का बाड़ा, द्वारिकापुरी, इंद्रप्रस्थ नगर, बाबू क्वार्टर रोड, वीआईपी रोड, लश्करी गार्डन, सुभाष कॉलोनी क्षेत्र की बैठक एकता हाई स्कूल कमलागंज में आयोजित होगी। बैठक में मुख्य अतिथि के रुप में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा सनातन के संभागीय उपाध्यक्ष एस.एन. उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती शशि पाराशर, एवं शहर अध्यक्ष डॉ बीके शर्मा उपस्थित रहेंगे। वार्ड 37 के विप्र बंधुओं से अधिक से अधिक संख्या में बैठक में सम्मिलित होने की अपील की गई है। अपील करने वालों में प्रमुख रूप से हरगोविंद शर्मा, महेंद्र शर्मा, संतोष शर्मा, रजनी मिश्रा, राजेंद्र पांडे, अरविंद सरैया, द्वारिका प्रसाद शर्मा, दीपक शर्मा, वीरेंद्र कन्नहौआ, बब्लू होटल वाले, घनश्याम शर्मा, राजू पिपरघार, पवन अवस्थी, महेश शर्मा, राजेश मिश्रा, वीरेंद्र मिश्रा, कैलाश नारायण शर्मा, जगदीश शर्मा, बुद्धाराम दातरे, रामगोपाल शर्मा, डॉ पी डी शर्मा, राकेश मिश्रा, सत्यम नायक, शुभम दुबे, सूर्य तेंनगुरिया आदि शामिल है।

गाजे बाजे के साथ निकली भव्य कलश यात्रा

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी-खबर शिवपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र राजेश्वरी मंदिर से है जहां आज सुबह भव्य कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया यह कलश यात्रा राजेश्वरी मंदिर से होते हुए अस्पताल चौराहा कोट रोड माधव चौक सिद्धेश्वर से होते हुए बाकड़े हनुमान मंदिर तक पहुंचनी है जहां पर आज से भागवत सप्ताह का आयोजन किया जाएगा सप्ताह का आयोजन करने वाले कुशवाह परिवार के सदस्यों ने बताया की आज से बाकडे बाबा मंदिर पर भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा इस कथा का भंडारा 10 अप्रैल को भागने मंदिर पर किया जाएगा इसमें सभी से निवेदन है कि प्रसाद लेने जरूर आएं और रोज होने वाली भागवत कथा को ध्यान महाराज श्री गिरराज महाराज जी के श्री मुख से प्राप्त करें

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर ईकाई शिवपुरी ने हिंदू नव वर्ष के अवसर पर शिवपुरी नगर वासियों को तिलक लगाकर नव वर्ष एवं नवरात्रि की शुभकामनाएं दी

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- नगर सह मंत्री अभिषेक सिंह चौहान ने बताया हम अपने संस्कृति को याद में रखते हुए प्रत्येक वर्ष हिंदू नव वर्ष के अवसर पर इसी प्रकार के कार्यक्रम करते हैं जिसमे विद्यार्थी परिषद नगर वासियों को लगाकर एवं उनका वंदन अभिनंदन करके नववर्ष की शुभकामनाएं देते हैं एवं हमारा नगर एवं समाज जागरूक होती है और हमारे धर्म एवं संस्कृति के बारे में एक अच्छा संदेश जाता है कि हम ऐसे देश से है जहां नववर्ष का मतलब एक त्यौहार होता है।

चौहान ने बताया कि अब से विक्रम संवत 2079 शुरू हो रहा है जो राजा विक्रमादित्य जी के नाम पर रखा गया है इसी दिन को गुड़ी पड़वा एवं नवरात्री का भी शुभारम्भ होता है इस दिन हम अपने शहर वासी एवं छोटे भाई बहनों को अपने देश और संस्कृति की ओर आकर्षित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम करते रहते हैं। शहर वासियों ने भी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं को आशीर्वाद देते हुए कहा कि हमारे बच्चे एवं

छोटे भाई बहन इसी प्रकार के कार्यक्रम करते रहे जिससे समाज में एक हिंदुत्व की और अच्छा संदेश जाएगा और समाज अपनी परंपराओं को याद रख कर आगे भी ऐसे त्यौहार मनाते रहेगी। कार्यक्रम के दौरान जिला संयोजक मयंक राठौर भाग संयोजक प्रद्युमन गोस्वामी नगर सह मंत्री अभिषेक चौहान ऐश्वर्या शर्मा भानु समधिया ईशु शर्मा रोहन सिंह गौतेश सिंह कुशवाह शशिकांत शर्मा पंकज राय अंशुमान सोनी के साथ आधा सैकड़ों लोग उपस्थित थे

मातृशक्ति एवं बालिकाओं पर केंद्रित होगा इस रविवार का कार्यक्रम

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के तत्वाधान में 3 अप्रैल रविवार शाम 6:00 बजे से चैत्र नवरात्रि के पावन मौके पर %बालिकाओं एवं बालिकाओं द्वारा मां शक्ति की भक्ति% गीतों द्वारा पर्यटक स्वागत केंद्र छतरी रोड पर आयोजित किया जावेगा। मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन संघ भोपाल के अध्यक्ष एवं डीएटीसीसी के सदस्य अरविंद सिंह तोमर एवं महेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि पर्यटक स्वागत केंद्र पर कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह के निर्देशानुसार एवं डिप्टी कलेक्टर और डीटीसीसी की सचिव श्रीमती शिवांगी अग्रवाल के मार्गदर्शन में छत्री रोड पर स्थित पर्यटक स्वागत केंद्र पर प्रत्येक रविवार को आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तारतम्य में इस रविवार चैत्र नवरात्र के शुभ अवसर पर माता के भक्ति गीतों और भजनों का आयोजन किया जाएगा। उक्त आयोजन में बालिकाएं व महिलाएं अपने भजन गीत प्रस्तुत करेंगी एवं संपूर्ण कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण एवं महिलाओं द्वारा ही आयोजित किया जावेगा। उक्त कार्यक्रम की उद्घोषणा से लेकर मुख्य अतिथि सहित संपूर्ण कार्यक्रम की थीम में सिर्फ और सिर्फ महिलाओं पर ही केंद्रित रहेंगी। उक्त रंगारंग भजन संध्या में अधिक से अधिक लोगों के उपस्थित रहने की संभावनाओं को देखते हुए कार्यक्रम की तैयारियां जोर शोर से चालू हैं। जिले की कोई भी बालिका व महिला अपना भजन एवं भक्ति गीत व लोकगीत इस अवसर पर प्रस्तुत कर सकती हैं और अपना नाम मुकेश आचार्य मोबाइल 8319258033 एवं रामपाल सिंह कुशवाह 9301541706 पर्यटक स्वागत केंद्र तथा होटल सुख सागर पर लिखा सकते हैं।

कोटा की रहने वाली महिलाओं ने चोरी के ज्वेलर्स को बनाया निशाना 10 हज़ार की पायल लेकर हुई रफू चक्कर

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। पोहरी थाना खेत्र के स्टेट बैंक के पास सोरे-चांदी की दुकान चलाने वाले नरेंद्र सोनी की दुकान पर चार महिलाओं ने चांदी की पायल चोरी कर ली और जाने लगी। वह तो शुक्र मनाओ पड़ौसी दुकानदार का जिसने पुलिस को सूचना दी। यहां पुलिस मौके पर पहुंच गई और महिलाओं से चुराई हुई पायल को बरामद किया। जानकारी के अनुसार नरेंद्र सोनी की दुकान पर सोने-चांदी की खरीददारी करने चार महिलाएं आई और आभूषण देखने लगी। इतने में एक महिला ने दुकानदार को बातों में लगा लिया और दस हजार कीमत की पायल चोरी कर ली। चोरी के बाद महिलाएं सुनार की दुकान से रफूचक्कर हो गई। दुकानदार नरेंद्र सोनी ने जब दिखाए गए सामान का मिलान किया तो एक जोड़ी पायल कम मिली। दुकानदार ने महिलाओं का पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। लेकिन महिलाएं उससे बहस करने लगी, इसी दौरान मौके पर भीड़ लग गई। वहीं, पड़ोसी दुकानदार जितेंद्र चौहान ने इसकी सूचना पोहरी थाना पुलिस को दी तो महिलाओं ने चुराई गई पायल दुकानदार के सुपुर्द कर दी। मौके पर पहुंची। पुलिस महिलाओं को पकड़कर थाने ले गई।

जन्म के पहले तीन साल में ही नजर आने लगते हैं ऑटिज्म के लक्षण: डॉ.संजय ऋषिश्वर

वर्ल्ड ऑटिज्म अवेयरनेस डे ऑटिज्म बच्चों को उपहार एवं पौधा देकर उनका उत्साहवर्धन किया

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- आपका बच्चा अपने में गुमसुम तो नहीं रहता है। यदि ऐसा है तो ऑटिज्म के लक्षण हो सकते हैं। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ संजय ऋषिश्वर के मुताबिक ऑटिज्म एक मानसिक रोग या मस्तिष्क के विकास के दौरान होने वाला विकार है। इसके लक्षण जन्म से या बाल्यावस्था में पहले तीन साल में नजर आने लगते हैं। यह व्यक्ति की सामाजिक कुशलता और संप्रेषण, अपनी बात को दूसरे तक पहुंचाने की क्षमता पर विपरीत प्रभाव डालता है। आमतौर पर लोग ऑटिज्म के शिकार बच्चों को मंदबुद्धि कहते हैं। जिला अस्पताल में पदस्थ डॉ.अर्पित बंसल मनकक्ष की ओपीडी में आने वाले 30 से 40 बच्चों में औसतन तीन से पांच बच्चे ऐसे आते हैं जिनमें ऑटिज्म के लक्षण पाए जाते हैं। ऐसे बच्चों को विशेष देखरेख एवं चिकित्सा जो कि मनो चिकित्सक की देखरेख मे कराने की सलाह देते हैं।

कार्यक्रम के सूत्रधार एवं आयोजनकर्ता शक्तिशाली महिला संगठन के रवि गोयल ने कहा कि ऑटिज्म प्रभावित लोगों विशेषकर बच्चों के जीवन को और बेहतर बनाने के लिए हर साल दो अप्रैल को विश्व ऑटिज्म अवेयरनेस दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी के तहत आज शक्तिशाली महिला संगठन के बाणगंगा स्थित कार्यालय पर ऑटिज्म बच्चे एवं उनके परिवार वालों के साथ अनौखी कार्यशाला का आयोजन मुख्य अतिथि डा.संजय ऋषिश्वर एवं विशिष्ट अतिथि डॉ अर्पित बंसल के द्वारा आनलाईन कार्यक्रम में सहभागिता करके की। डॉ अर्पित बंसल ने कार्यशाला में सर्वप्रथम ऐसे बच्चों के अभिभावकों के हौसले की तारिफ की एवं उनको कहा कि आप ऐसे बच्चों से प्यार से पेश आए। ये बच्चे सामान्य बच्चों की तरह ही सोचते समझते एवं फील कर सकते है पर हम उनके साथ अच्छे से पेश नही आते जिस कारण परेशानी खड़ी होती है। डा बंसल बताते हैं कि यह न्यूरो संबंधी डिसऑर्डर है। इस बीमारी से पीड़ित बच्चा आंख से आंख मिलाकर बात नहीं करता है। घर में मौजूद दूसरे बच्चों में घुलने-मिलने के बजाय अपने आप में खोया रहता है। ऐसे बच्चों में बोलने और सामाजिक व्यवहार में परेशानी होती है। इसका पता लगाने के लिए मॉलिक्युलर और सेल्यूलर लेवल पर जांच की जाती है। इसके बाद बच्चों का उसकी जरूरत के अनुसार इलाज शुरू किया जाता है। ऑटिज्म के लक्षण 12 से 13 माह के बच्चों में ऑटिज्म के लक्षण नजर आने लगते हैं। इस विकार में व्यक्ति या बच्चा आंख मिलाने से कतराता है। किसी दूसरे व्यक्ति की बात को न सुनने का बहाना करता है। आवाज देने पर भी कोई जवाब नहीं देता है। अव्यवहारिक रूप से जवाब देता है। माता-पिता की बात पर सहमति नहीं जताता है। आपके बच्चे में इस प्रकार के लक्षण हैं तो आपको डॉक्टर से परामर्श लें। कार्यशाला में भाग लेने वालों में प्रियका कुशवाह, आकृति लोधी, राहुल शर्मा, पार्थ श्रीवास्तव, निक्की सेन, संजय उदेनिया आदि बच्चों को उपहार एवं पौधा देकर उनका उत्साहवर्धन किया। बच्चों के अभिभावकों ने डा.संजय ऋषिश्वर से मांग की कि ऐसे बच्चों को एक विशेष विद्यालय एवं स्पीच थेरेपी एवं स्किल डेव्हलपमेंट के लिए प्रशिक्षित किया जाना आवश्यक है जिससे कि ये बच्चे स्वयं आत्मनिर्भर बने। डॉ संजय ऋषिश्वर ने इस बात पर जल्दी योजना बनाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में आटिज्म से पीड़ित बच्चें एवं अभिभावको ने कार्यशाला में भागीदारी की। साथ में शक्तिशाली महिला संगठन की पूरी टीम उपस्थित थी।

व्यापम में चल रहे घोटालों के विरोध में ओबीसी महासभा ने दिया ज्ञापन

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र से है जहां आज ओबीसी महासभा के पदाधिकारियों ने शहर के मुख्य मार्गों से रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंचकर ज्ञापन प्रस्तुत किया ज्ञापन लेने के लिए आज कलेक्ट्रेट परिसर में कोई मौजूद नहीं था जिसके बाद काफी देर तक जमकर नारेबाजी करने के पश्चात कोतवाली टीआई सुनील खमरिया जी पहुंचे और उन्होंने ओबीसी महासभा के पदाधिकारियों को समझाते हुए बताया कि कलेक्ट्रेट में अवकाश होने के कारण कोई भी अधिकारी मौजूद नहीं है जिसके बाद कोतवाली टीआई सुनील खमरिया ने स्वयं ज्ञापन लिया और आगे तक पहुंचाने की जिम्मेदारी ली उपरोक्त विषय में लेख है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश की आजादी के बाद से आज देश प्रदेश के विकास एवं आर्थिक रूप से देश की अर्थ व्यवस्था में रीढ़ की हड्डी स्वरूप अति महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाले मतदाता, शासन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार वर्तमान में मध्यप्रदेश राज्य में पिछड़े वर्ग की लगभग 50त्र आबादी निवासरत है, साथ ही वर्तमान

में प्रदेश के मुखिया भी ओबीसी वर्ग से ही संबंध रखते हैं। समान परिस्थितियों के बावजूद भी ओबीसी वर्ग के प्रबुद्धजनों, युवाओं और छात्र- छात्राओं के हितों पर सत्ता प्रशासन में बैठे अधिकारियों व कर्मचारियों और उच्च न्यायालय में बैठे जातिवादी मानसिकता के न्यायाधीशों द्वारा लगातार कुठाराघात किया जा रहा है। यह है कि आजादी के इतिहास में आज तक ओबीसी आरक्षण को संविधान की 9वीं अनुसूची में सम्मिलित न किया जाना है और तो और प्रशासन द्वारा न्यायलय में प्रस्तुत विचाराधीन याचिकाओं में लंबित निर्णायक भूमिका में ÷ओबीसी वर्ग का जातिगत आंकड़ा वर्तमान शासन प्रशासन द्वारा उपलब्ध न कराया जाना% भोले भाले ओबीसी वर्ग को ठगने की कोशिश, निम्न प्रशासकीय क्षमता, लोकतंत्र में संवैधानिक व्यवस्था को लागू न करना, गैर मानवता पूर्ण कुकत्य, तानाशाही पूर्ण रवैया, संविधान में अविश्वास की धारणा को इंगित करता है जो कि विश्वपटल पर एक महान लोकतांत्रिक देश का अपमान है।

यह है कि शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी नौकरियों में अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए आरक्षण देश के शासन और प्रगति में प्रतिनिधित्व और भागीदारी का विषय रहा है। संविधान में आरक्षण की अवधारणा का उद्देश ऐतिहासिक रूप से उनकी जाति के आधार पर

आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं राजनैतिक हिस्सेदारी सुनिश्चित करना है। किंतु आजादी के बाद मानवाधिकारों के मूल सिद्धांतों से वंचित कर सामाजिक और शैक्षिक सशक्तिकरण प्रणाली में घोषित आरक्षण के आधार पर समुचित हिस्सेदारी एवं प्रतिनिधित्व सुनिश्चित न कर, ओबीसी समाज के साथ अन्याय कर, संवैधानिक नियमों की अवहेलना कर, ओबीसी वर्ग के आवेदकों को राष्ट्रीय और राज्य स्तर के शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में रोजगार से वंचित किया जा रहा है।शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ग 3 में पूर्व में चयनित पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों की नियुक्ति मध्यप्रदेश शासन द्वारा घोषित 27त्र आरक्षण का लाभ देते हुए नियुक्ति प्रदान की जाये।

शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ग 3 जिसका आयोजन व्यवसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा किया जा रहा है कई प्रकार की अनियमितताएं और गड़बड़ियां सामने आ रही है, जिसमें बड़े लेवल पर घोटाला होने की आशंका है अतः शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ग 3 की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की जाये।

मध्यप्रदेश पुलिस संवर्ग भर्ती परीक्षा जिसका आयोजन व्यवसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा किया था। जिसमे घोषित परीक्षा परिणाम में पहले छात्रों को उत्तीर्ण दिखाया गया और बाद के अनुत्तीर्ण इस प्रका वरिष्ठ प्रसासनिक अधिकारीयों की लापरवाही और भ्रष्टाचार होने की संभावना है अतः मध्यप्रदेश पुलिस संवर्ग भर्ती परीक्षा की निष्पक्ष जांच की जाये।

ओबीसी महासभा छतरपुर (म.प्र) के जिला अध्यक्ष कृष्णा पटेल जी, प्रदेश सचिव नरेंद्र पटेल जी एवं अन्य सदस्यों पर धारा 376 के तहत दर्ज फर्जी मुकदमा वापिस लिया जावे।

5. ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. आनंद राय जी द्वारा व्यापम घोटाला की मांग पर जो फर्जी मुकदमा मध्यप्रदेश सरकार के इशारे पर लगाया गया है जल्द से जल्द वापिस लिया जावे।

अतः माननीय महोदय जी से निवेदन है कि बिंदू क्रमांक 1 से 5 तक समाधान सीघ्र से सीघ्र किए जाने हेतु अधिनस्थ विभागीय प्रशासन एवं प्रशासनिक अधिकारियों को उपरोक्त समस्याओं का निराकरण कर, उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच हेतु आदेशित करने का कष्ट करें अन्यथा की स्थति में ओबीसी महासभा पूरे प्रदेश में सड़कों पर उतरकर समूचे जन सैलाब के साथ आंदोलन करेगी। इसकी सम्पूर्ण जबाबदारी शासन प्रशासन की होगी।

सैनिको द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन होगा

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । सभी भूतपूर्व सैनिको द्वारा विशाल धरना प्रदर्शन फूल बाग चौराहा पर दिनांक 3 अप्रैल 2022 को समय 10-00 बजे से शुरू होकर अनिश्चितकालीन समय तक चलने जा रहा है जिसमें सभी भूतपूर्व सैनिको से ज्यादा से ज्यादा सभी से अपील की है। साथ ही मीडिया के मध्यम से सभी से अपील की है कि धरना को सफल के लिये सभी शामिल हो और धरना को सफल बनायें यह धरना प्रदर्शन मध्य प्रदेश पुलिस में भरती भूतपूर्व सैनिकों को 10 परसेंट का आरक्षण ना देने के कारण सभी भूतपूर्व सैनिक एकत्रित होकर इस विशाल धरना प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है सभी लोगों से निवेदन है कि धरना प्रदर्शन को सफल बनाने में अपना अपना योगदान दें।

हिंदू नव वर्ष पर निकली भव्य भगवा यात्रा जगह-जगह पूजा अर्चना के साथ हुआ स्वागत।

संतोष सिंह भदोरिया

पुष्पांजली टुडे

गोरमी। समस्त हिंदू समाज द्वारा हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष में विशाल भगवा यात्रा निकाली गई यात्रा का प्रारंभ नगर के शासकीय इंटर कॉलेज मैदान से हुआ यात्रा में आगे आगे भव्य रथ चल रहा था जिसमे डीजी पर नये साल के गीत बज रहे थे। एवं पीछे पीछे हिंदू समाज के लोग चल रहे थे यात्रा नगर के कचनाव रोड हॉस्पिटल रोड तिवारी मोहल्ला थापक मोहल्ला यादव मोहल्ला थाना रोड मेहगांव चौराहा पोरसा चौराहा होती हुई पुन इंटर कॉलेज मैदान पर समाप्त हुई यात्रा के दौरान स्थानीय लोगों ने जगह जगह पर भारत माता एवं भगवान राम की आरती एवं पूजा अर्चना की एवं मिष्ठान वितरण किया यात्रा में बड़ी संख्या में युवा बुजुर्ग हाथों में भगवा फौज लेकर चल रहे थे लोगों ने एक दूसरे को हिंदू नव वर्ष की बधाई दी एवं माथे पर टीका लगाया इस अवसर पर हिंदू संगठन के सभी कार्यकर्ता राजनेता पत्रकार बड़ी संख्या में मौजूद थे।

उनियारा तहसील अध्यक्ष तेजपाल सैनी ने की पूर्व मंत्री से मुलाकात

जितेंद्र सिंह ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

राजस्थान । नवरात्रा स्थापना दिवस के उपलक्ष में पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी से मिलकर तहसील अध्यक्ष तेजपाल सिंह ने मुलाकात की इस अवसर पर माली समाज को आने वाले 2023 में किस प्रकार से राजनीति में आगे लाया जा सके और भारतीय जनता पार्टी से लगभग 10 टिकट माली समाज को मिले जिससे माली समाज मजबूत हो सके ऐसी कई अन्य प्रकार कि सामाजिक चर्चाएं कर मंत्री जी से आशीर्वाद लिया इस अवसर पर कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नगर में धूमधाम से मनाया गया नव सम्वत्सर

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। शनिवार को नगर दबोह में हिन्दू नव वर्ष बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।इस दौरान हिन्दू युवा वाहिनी के युवाओं ने एक विशाल चल समारोह गाजे बाजे के साथ निकाला।यह चल समारोह मुख्य बाजार स्तिथ छिन्न मस्ता देवी से सुबह 8 बजे प्रारम्भ हुआ और नगर के मुख्य मार्ग होते हुए शक्तिपीठ मां रणकौशला देवी के दरबार में पहुंचा।जहां पर चल समारोह में मौजूद सभी युवाओं ने माता रानी कर दर्शन किये।यहां बता दें कि चल समारोह के दौरान हिन्दू युवा वाहिनी के लोगो ने सम्पूर्ण नगर में लोगो को तिलक लगाकर व प्रसाद वितरण कर नव संवत्सर की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

माता के मंदिर पर भी हुई महाआरती,बांटा गया प्रसाद

नव संवत्सर के उपलक्ष्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मुख्य बाजार में विराजी मां छिन्नमस्ता देवी के मंदिर पर समस्त व्यापारियों के सहयोग से इस बार पुनः सम्वत्सर बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।इस दौरान सर्व प्रथम ठीक 12 बजे मां छिन्नमस्ता देवी की महाआरती की गई और तरह तरह के फलों व मिठाई का भोग लगाया गया तदोपरांत लोगो को प्रसाद वितरण किया गया।इस आयोजन के दौरान व्यापारी के के गुप्ता व मंगेश कोठारी ने बताया कि मां के आशीर्वाद से हम सभी व्यापारी बन्धुओ के सहयोग से यह विशाल प्रसादी वितरण कार्यक्रम का आयोजन करते हैं जिसमे हजारो लोग प्रसादी पाते हैं।इस दौरान व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय गुर्जर,पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष अवधेश गुप्ता,के के गुप्ता,मंगेश कोठारी,अनूप गुप्ता,अरविंद विजपुरिया,नितिन गुप्ता,अर्पित गुप्ता पत्रकार,शशि बुधौलिया,प्रदीप कुरेले,संजू गुप्ता गोरा बाले,छोटू चिकवा,कल्लू कौरव,रिंकू कौरव,मनोज तरसोलिया,बल्लन महातेले,भोले सोनी,राजभुवन यादव समेत कई व्यापारी बन्धु,समाजसेवी व धर्मप्रेमी बन्धु मौजूद रहे।

मिलावट खोर मस्त जनता त्रस्त खाद्य आपूर्ति विभाग सुस्त

गणेश शंकर राजोरिया

पुष्पांजली टुडे

अंबाह । नगर मैं मिस्ठान भंडार पर कोई कार्यवाही होती नजर नही आती लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है जबकि मिष्ठानों की कीमत पूरी ली जाती है जिम्मेदार विभाग सो रहा है कार्यवाही के नाम पर केवल आश्वासन दिए जा रहे है नगर मैं न तो कहीं कोई सैंपल लिए न कोई मिलावट खोरों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जिसके चलते मिस्ठान भंडार वालों की मनमानी चल रही है इनमें प्रशासन का कोई डर नही दिखता है जिससे बाजार में मिलावटखोरी का धंधा तेजी से फल फूलने लगा है। हर बार लोग असली और नकली के खेल में पिसते हैं। असली खाद्य सामग्री के पैसे लेकर मिलावटी और नकली सामान थमा दिया जाता है। त्योहार कोई भी हो शहरवासियों की सेहत मिलावटखोरों के निशाने पर हैं बाजार में इन दिनों नकली दूध, पनीर, खोया, देशी घी आदि की भरमार है इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि मिलावट को रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग के इंतजाम नाकाफी है होली पर्व के समय ही खोया की मंडी शहर भर में जगह-जगह सजने लगी थी उस समय जिम्मेदार प्रशासन ने कोई कार्यवाही नहीं की बतादे कि मिलावटी खोया की बिक्री लगभग 300 रुपए प्रतिकिलो के करीब की जा रही है एक किलो खोया बनाने के लिए चार से पांच लीटर दूध की जरूरत होती है। वर्तमान समय में पांच लीटर दूध की कीमत करीब 300 रुपए होगी। ईंधन और खर्च जोड़कर एक किलो खोया बनाने में करीब 350 रुपए तक का खर्च बैठता है। ऐसे में ग्राहकों को 300 - 350 रुपए में शुद्ध खोया कैसे मिल सकता है।मिलावट खोर खोया में इस तरह आलू का इस्तेमाल करते है कि आम आदमी इसको नहीं पहचान सकता है। आलू को उबालने के बाद उसे पीस कर अधपके दूध में मिला दिया जाता है। इसके बाद खोया तैयार किया जाता है। खोया में आलू की महक को दूर करने के लिए खोया की सुगंध वाला इत्र भी मिलाया जाता है। शकरकंद का भी प्रयोग मिलावटी खोये में होता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष प्रतिपदा उत्सव मनाया

मोनू बाथम

गोहद नगर में %राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ% के तत्वावधान में आयोजित विविध कार्यक्रमो में हिन्दू नववर्ष मनाया गया ।जिसमे नगर के स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में उपस्थित रहे ।जिसमें सर्व प्रथम आधसरसंघचालक प्रणाम के बाद संघ ने पथ संचलन निकाला जो स्थान छैकुर वाले हनुमान जी मन्दिर से प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गो से होते हुए संस्कार पब्लिक स्कूल में समापन हुआ ।जिसके बाद बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि संघ के जिला सह सम्पर्क प्रमुख कुन्जविहारी बरूआ ने आज के दिन के महत्व के बारे में विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि हिन्दू नववर्ष के साथ ही सरसंघचालक डॉ.केशवराव वलिराम हेडगेवार जी का जन्म दिन भी है ऐसे में वर्ष प्रतिपदा के रूप में मनाया जाता है ।बताया कि इस दिन भगवान राम का राज्याभिषेक, विक्रमसंवत की स्थापना व प्रकृति में कई परिवर्तन हुए है । इस दिन का विशेष महत्व यह भी है कि हम शक्तिशाली बनने के लिए आज के दिन से ही अष्ट्मी तक शक्ति (देवी माँ दुर्गा)की आराधना करते हैं और नौ वे दिन भगवान श्री राम का जन्मोत्सव मनाते हैं ।उन्हौंने स्वयंसेवकों को अनुशासन में रहते हुए समाज तथा राष्ट्र के लिए अपना योगदान देने को कहा ।स्वयंसेवक में मातृभूमि के लिए समर्पण होता है ।जो राष्ट्र को परमवैभव पर ले जा सकता है । संघ के जिले से रामनरेश शर्मा खण्ड सह कार्यवाह जनक सिंह, निरंजन सिंह कंषाना, नगर कार्यवाह गोविन्द सिंह गौतम एवं आभार व्यक्त नगर सह कार्यवाह दुर्गेश गुप्ता ने किया । यह जानकारी खण्ड प्रचार प्रमुख जितेन्द्र सिंह ने दी। कार्यक्रम के अन्त में सभी ने एक - दूसरे को शुभकामनाएँ दी

सोंढुर डैम में दो लड़कियां डूबी शादी के कार्यक्रम में शामिल होने आये थे युवक, युवतियां

डैम घूमते वक्त नाव में पानी भरने से हुआ बड़ा हादसा 5 की बचाई जान 2 की गई जान डूबने से

अश्वनी अवस्थी ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

छत्तीसगढ़ । धमतरी जिले से बड़ी खबर सामने आ रही है जिसमें सोंढुर बांध में सवारी से भरी नाव पलट गई। इस नाव में 7 लोग सवार थे...इस हादसे के बाद से 2 युवतियां लापता हो गई है....डैम घूमने आये युवक-युवतियों में से 2 लड़कियां डैम में डूब गये हैं...खबर लिखे जाने तक दोनों का शव नहीं निकाला जा सका है। इधर गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची हुई है और तलाशी जारी है...घटना दोपहर 12 बजे की बतायी जा रही है। गरियाबंद के धवलपुर से धमतरी के बेलरबेहरा में शादी के कार्यक्रम में कुछ युवक-युवतियां आये हुए थे। शादी के बाद आज दोपहर उनमें से तीन लड़के और चार लड़कियां सोंढूर डैम घूमने आये थे। जानकारी के मुताबिक सभी 7 लोग नाव मे सवार होकर डैम की सैर करने लगे। किनारे लौटने के दौरान नाव में पानी भरने लगा, इसे देखकर दो लड़कों ने नाव से छलांग लगा दी, जिसके बाद नाव पलट गया नाव पलटने की घटना के बाद 5 लोग तो सुरक्षित बाहर निकल गए, लेकिन जिसमें एक को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है वहीं दो युवती मोनिका और बिंदिया पानी में जिनकी तलाश की जा रही है। इधर... सूचना मिलते ही नगरी डूब गयी, एसडीओपी मयंक रणसिंह और मेचका थाना प्रभारी मथुरा सिंह ठाकुर टीम के साथ तत्काल मौके पहुँचे, वहीं एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है जो मौके पर पहुँच रही है। इधर इस घटना के बाद से सोंढूर डैम की सुरक्षा ... व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगा है।

लापता युवक का शव रेलवे पटरी पर मिला

अजय खंगार पुष्पाजंली टुडे

टीकमगढ़। कोतवाली थाना अंतर्गत ताल दरवाजा अखाड़ा मोहल्ले निवासी आशीष कुमार कौशिक बीती शाम से लापता था। इसकी शिकायत परिजनों द्वारा कोतवाली में की गई थी। जिसके बाद सुबह सूचना प्राप्त हुई है कि एक युवक का शव ग्राम नारगुड़ा पर स्थित रेलवे पटरी पर देखा गया। जिसकी शिनाख्त लापता आशीष कुमार के रूप में हुई देहात थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना की जानकारी लगते ही एफएसएल अधिकारी प्रदीप यादव, देहात थाना प्रभारी नसीर फारुकी सहित पुलिस बल मोके पर पहुंचकर जांच प्रारंभ कर दी

PHE विभाग की हठ धर्मी, नहीं मिला पानी कनेक्शन

श्रद्धालु - भक्तजन हो रहे पानी के लिए परेशान

महेन्द्र शर्मा, रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

कैलारस। शीतल जी महाराज से प्राप्त जानकारी अनुसार बहरा रा माता रानी स्थित शिव धाम शीतल पुरी मंदिर पर सार्वजनिक पानी की टंकी तो बनकर तैयार हो चुकी है लेकिन नल जल योजना वाले इस टंकी पर कनेक्शन नहीं दे पा रहे हैं जिसके चलते इस माता रानी के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं को पीने के पानी की कमी अखर रही है वह भी ऐसी भीषण गर्मी में शीतल पुरी शिव मंदिर से प्राप्त जानकारी के अनुसार नल जल योजना के अंतर्गत 25000 लीटर की पानी की टंकी बनकर तैयार हो चुकी है लेकिन पिछले कई दिनों से संबंधित विभाग के जिम्मेदार कर्ता-धर्ता इस तन की पर कनेक्शन नहीं दे पा रहे हैं जिसके चलते या आने वाले वक्त गणों को पीने के पानी की समस्या का गर्मी के इस दौर में सामना करना पड़ रहा है साथ ही शिव धाम बहरा रा माता का मेला भी लग रहा है परिसर में गंदगी के चलते भी भक्त गणों को परेशानियां हो रही हैं क्या संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी माता रानी के दरबार में व्याप्त इन समस्याओं का समाधान करेंगे।

बिजली उपभोक्ताओं को इस वर्ष 22500 करोड़ की सब्सिडी का लाभ, कृषि उपभोक्ताओं की 93% बिल भरेगी सरकार

किसानों को 31 मार्च कि जारी नई दरों के मुताबिक अब लगभग 7% राशि ही जमा करनी होगी शेष बिल की राशि 93% को सब्सिडी मानकर सरकार इसका वहन करेगी

केशब पंडित जी चम्बल ब्यूरौ

अम्बाह । मध्यप्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी जाएगी। दरअसल उर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि सीएम शिवराज द्वारा बिजली उपभोक्ताओं के हित में कई घोषणा की गई है। वहीं वित्त वर्ष 2022 में सभी वर्ग के बिजली उपभोक्ताओं को 22 हजार 500 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। जानकारी देते हुए ऊर्जा मंत्री प्रधुमन सिंह तोमर ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में 21000 की सब्सिडी बिजली उपभोक्ताओं को दी गई थी। इसके साथ ही प्रदेश के किसानों के लिए भी ऊर्जा मंत्री द्वारा बड़ी घोषणा की गई है। वही प्रद्युमन सिंह तोमर ने कहा कि किसानों को 31 मार्च कि जारी नई दरों के मुताबिक अब लगभग 7त्र राशि ही जमा करनी होगी शेष बिल की राशि 93त्र को सब्सिडी मानकर सरकार इसका वहन करेगी।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर के मुताबिक मध्य प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा 31 मार्च को विद्युत की जान नहीं जा रही जारी की गई है। जिसके मुताबिक 3 हॉर्स पावर 5 हॉर्स पावर 10 हॉर्स पावर के लिए कृषि उपभोक्ताओं को 29 हजार 252 रुपए, 52 हजार 177 रूपए और 1 लाख 10 हजार 608 रुपए का भुगतान होता है। सब्सिडी की घोषणा करते हुए ऊर्जा मंत्री ने कहा कि अब किसानों को प्रति हार्स पावर प्रति वर्ष ?750 का भुगतान करना होगा।

इससे अतिरिक्त 3 हॉर्स पावर 5 हॉर्स पावर और 10 हॉर्स पावर के लिए 2250 रूपए, ?3500 और ?7500 का ही भुगतान किसानों को करना होगा। इसके अलावा उपभोक्ता द्वारा दी जाने वाली ?750 प्रति हार्स पावर एवं आयोग द्वारा जारी दरों के अंतर को सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। जिसके लिए राज्य शासन को 3 हॉर्स पावर पावर पंप के लिए कुल ?27002 रुपए, 5 हॉर्स पावर पंप के लिए ?48427 रुपए और 10 हॉर्स पावर के लिए ?1 लाख 03 हजार 100 का भुगतान सब्सिडी के रूप में करना होगा। इसके अलावा बिजली बिल के आस्थगित 6400 करोड़ रुपए भी माफ किए जाएंगे। जिसकी घोषणा की गई थी। बड़ी घोषणा करते हुए सीएम शिवराज ने कहा था कि कोरोना से प्रभावित घरेलू उपभोक्ता की 31 अगस्त की पूरी बकाया राशि की जाएगी। यह राशि ?6400 करोड़ रुपए माफ करने की घोषणा की गई थी। बता दे कि कोरोना काल में 1 किलोवाट तक के संयोजित भार वाले घरेलू उपभोक्ता के देयकों के 31 अगस्त 2020 तक की बकाया राशि और अधिभार के भुगतान करने के निर्णय लिए गए थे। जिससे उपभोक्ता को राहत देने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा समाधान योजना भी लागू की गई थी।

ज्ञात हो कि मध्यप्रदेश में 1 करोड़ 8 लाख घरेलू और 35 लाख कृषि उपभोक्ताओं को सब्सिडी का लाभ दिया जा रहा है। कृषि उपभोक्ताओं को डेढ़ सौ यूनिट प्रतिमाह तक मासिक खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं के प्रथम 100 यूनिट पर ?100 का ही भुगतान करना होता है। वहीं 100 यूनिट खपत पर शहर के प्रत्येक उपभोक्ताओं के लिए सरकार सब्सिडी के रूप में ?517 का भुगतान कर रही है।

जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के सदस्य पहुंचे मंड्या

पुष्पाजंली टुडे

मैसूरु = सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ का ट्रस्ट मंडल के सदस्य मंडया पहुंचे द्य वहां पर सुमतिनाथ जिनालय दादा के दर्शन व चैत्य वंदन कर आरती की द्य बाद में वहां पर विराजित कर आचार्य देवेंद्र सागर सूरीश्वर के दर्शन वंदन कर सुख साता पुछ कर आशीर्वाद लिया द्य प्रवचन सुना द्य ट्रस्ट मंडल ने मैसूरु में चल रहे सामूहिक वर्षीतप की जानकारी दी द्य गुरूदेव ने मैसूरु संघ को सदा धार्मिक अनुष्ठान करवाने में आगे रहने की प्रेरणा दी द्य ट्रस्ट मंडल ने आचार्य से इस माह में आ रही चैत्रमास की नवपद ओली व महावीर जन्म कल्याणक दिवस तथा 12 मई को सुमतिनाथ संघ द्वारा संचालित ईट्टिगेगुड स्थित कुंथुनाथ मंदिर की 25 वी. ध्वजा कार्यक्रम में निश्रा प्रदान करने की विनती की गई द्य आचार्य ने स्वीकृति प्रदान की द्य आचार्य पदयात्रा कर श्रीरंगपटण,महावीर जिनालय होते हुए 5 अप्रेल को मैसूरु में प्रवेश करेंगे द्य इस अवसर पर सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष भेरुमल राठोड़, सचिव कांतिलाल गुलेचा, ट्रस्टी हंसराज पगारिया,डायालाल वोहरा,चंपालाल वाणीगोता, ताराचंद बंदा मुथा,प्रकाशचंद सालेचा,पारसमल संघवि,पार्श्व पद्मावती ट्रस्ट के अध्यक्ष दलीचंद श्रीश्रीमाल आदि उपस्थित रहे द्य आचार्य ने वास्केप डाल कर मांगलिक सुनाई।

शहरों की तर्ज पर गांवों में भी नल के जरिए घर-घर मिलेगा पानी : श्री कुशवाह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने पारसेन व सुपावली में किया नल-जल योजनाओं का भूमिपूजन

सुशासन शिविर में भी शामिल हुए

ग्वालियर। शहरों की तर्ज पर गाँवों में भी हर घर में नल के जरिए पेयजल उपलब्ध कराने के लिये सरकार कटिबद्ध है। इसी उद्देश्य से केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के तहत गाँव-गाँव में नल-जल योजनाओं को मूर्तरूप दिया जा रहा है। यह बात उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने कही। श्री कुशवाह नव संवत्सर शुभारंभ दिवस के पावन अवसर पर जनपद पंचायत मुरार के ग्राम पारसेन व सुपावली में नल-जल योजनाओं के भूमिपूजन कार्यक्रमों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर ग्राम सुपावली में सुशासन शिविर का भी आयोजन किया गया। जिसमें राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने अपनी मौजूदगी में जन सामान्य की समस्यायें निराकृत कराईं। साथ ही सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत सहायता भी वितरित की।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री भारत सिंह कुशवाह ने जल-जीवन मिशन के तहत ग्राम पारसेन में लगभग एक करो? 64 लाख रूपए की लागत से मूर्तरूप लेने जा रही नल-जल योजना की आधारशिला रखी। इस नल जल योजना के तहत पारसेन गाँव के सभी 548 घरों में नल कनेक्शन दिए जायेंगे। योजना के तहत पानी की बड़ी टंकी के निर्माण सहित लगभग 7500 मीटर पाइप लाईन बिछाई जायेगी। इसी तरह लगभग 115 लाख रूपए की लागत से ग्राम सुपावली में नल-जल योजना का निर्माण हो रहा है। इस नल-जल योजना से सुपावली गाँव के सभी 385 परिवारों के घरों में नल कनेक्शन दिए जायेंगे। साथ ही पानी की बड़ी टंकी सहित 5300 मीटर पाइप लाईन बिछाई जायेगी।

इस अवसर पर राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने कहा कि नल-जल योजनाओं से सबसे बड़ा फायदा ग्रामीण महिलाओं को होगा। उन्हें अब हैण्डपम्प पर लाईन नहीं लगानी पड़ेगी। श्री कुशवाह ने पीएचई के कार्यपालन यंत्री को निर्देश दिए कि दोनों गाँवों का कोई भी गली मोहल्ला व घर नल-जल योजना से छूटना नहीं चाहिए। साथ ही नल-जल योजना के लिये पाइप लाईन डालने के साथ-साथ स?कों की मरम्मत कर मूल स्वरूप में लाया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न हो। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने इस अवसर पर ग्राम सुपावली में 15 लाख रूपए लागत की तीन सीसी रो? का भूमिपूजन भी किया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण सहित एसडीएम मुरार श्री अशोक सिंह चौहान, जनपद पंचायत मुरार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजीव मिश्रा एवं तहसीलदार मुरार श्री कुलदीप दुबे सहित विभिन्न विभागों के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

सुशासन शिविर में समस्याओं के निराकरण के साथ सहायता भी बाँटी

उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में सुपावली में आयोजित हुए सुशासन शिविर में जन सामान्य की ओर से 44 आवेदन आए। इनमें से 40 का मौके पर ही निराकरण किया गया। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने पाँच पात्र परिवारों की खाद्यान्न पर्ची शिविर में बनवाई और उन्हें राशन किट भी सौंपी। इसी तरह आधा दर्जन लोगों की सामाजिक सुरक्षा पेंशन, छ- महिलाओं को ला?ली लक्ष्मी के प्रमाण-पत्र और एक हितग्राही का भवन एवं सनिमर्ण कर्मकार कल्याण मण्डल के तहत कार्ड बनवाया गया। इसके अलावा सरकार की अन्य योजनाओं के तहत भी शिविर में पात्र परिवारों को सहायता वितरित की गई।

संक्षिप्त समाचार

फन फैस्ट 2022 में दूसरे दिन हुआ जुंबा, नुक्क? नाटक और डांस कंपटीशन

ग्वालियर।रॉक फायर एडवेंचर क्लब एवं ग्वालियर नगर निगम के द्वारा आयोजित 3 दिवसीय फन फैस्ट 2022 जो की 1 अप्रैल से बाल भवन में चल रहा है उसमे आज दूसरे दिन सुबह जुंबा करवाया गया। जुंबा एक्सपर्ट श्री आशीष दोहरे और नृत्यशीष स्टूडियो की पूरी टीम के नेतृत्व में करवाया गया। जिसमे लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वहीं शाम को नुक्क? नाटक और डांस कंपटीशन का आयोजन किया गया था। जिसमे केआरजी गर्ल्स के रूप ने नुक्क? नाटक के माध्यम से सफाई का एक शानदार मैसेज लोगो तक पहुंचाया और हमारे आसपास सफाई कितनी जरुरी है यह भी समझाया। डांस प्रतियोगिता में ग्वालियर शहर से कुल 140 प्रतिभागियों ने डांस के हर फॉर्म में चाहें वो क्लासिकल हो, फोक हो, कटेंपरी हो या बॉलीवुड हो रूप और सोलो कैटेगरी में शानदार प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का जजमेंट 3 जज पैनल द्वारा किया गया जिसमे जजेस थे। सुश्री राधिका सक्सेना, श्री आशीष दोहरे, सुश्री शिवा नायक। पूरे कार्यक्रम को इनाया इवेंट्स द्वारा मैनेज किया जा रहा है और अंत में इनाया इवेंट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर श्रभ् रोबिन कुशवाह ने सभी जजेस को स्मृति चिन्ह भेंट किया ।

टप्पा तहसील मुरार में सुशासन शिविर आज

ग्वालियर। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की मंशानुसार आमजनों को शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक और शीघ्र लाभ मिले, इसके लिए प्रदेश भर में सुशासन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 3 अप्रेल 2022 को सुबह 10 बजे से सायं 4.00 तक टप्पा तहसील मुरार में सुशासन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में अधिक से अधिक हितग्राही पंहुचे और उनकी समस्या का निराकरण तत्काल हो।

शहर के नए वार्डों में पानी की किल्लत न होने दें : श्री भारत सिंह कुशवाह

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार ने नगर निगम के अधिकारियों की बैठक लेकर दिए निर्देश

ग्वालियर। ग्वालियर शहर से जु? नए वार्डों (ग्रामीण) में मूलभूत सुविधायें हर समय सुचारू रहें। ग्रीष्म ऋतु के दौरान खासतौर पर पेयजल की किल्लत ग्रामीण वार्डों की किसी भी बस्ती में न रहे। इसके लिये नगर निगम का अमला सचेत रहकर काम करे। इस आशय के निर्देश उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह ने बैठक लेकर नगर निगम के अधिकारियों को दिए। शनिवार को यहाँ व्हीआईपी सर्किट हाउस में आयोजित हुई बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल सहित नगर निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह ने जोर देकर कहा कि ग्वालियर शहर के ग्रामीण वार्डों में पानी, बिजली और स?क से संबंधित समस्याओं का निराकरण अभियान बतौर करें। इसमें किसी भी प्रकार की ?लाई बर्दाश्त नहीं होगी। श्री कुशवाह ने खुरैरी तालाब, गिरवाई, अजयपुर व बेहटा में जल्द से जल्द पार्कों का काम शुरू करने के निर्देश भी बैठक में दिए।

नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने बैठक में सभी अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह द्वारा बताई गई सभी समस्याओं को समयबद्ध कार्यक्रम के तहत निराकृत करें।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर 4 से 7 अप्रैल तक ग्वालियर से दतिया की करेंगे पदयात्रा

मार्ग में आने वाले शहर-गाँव में करेंगे विद्युत समस्याओं का निराकरण

ग्वालियर। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर 4 से 7 अप्रैल तक ग्वालियर से दतिया के बीच पदयात्रा करते हुए आने वाले नगरों, ग्रामों एवं मजरे टोलों में विद्युत उपभोक्ताओं की विद्युत संबंधी समस्याओं को सुनेंगे और निराकरण करायेंगे। पदयात्रा के दौरान आने वाले ब? नगरों में जन-चौपाल और शिकायत निवारण शिविर लगाये जायेंगे। गौरतलब है कि ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इसके पूर्व भी कई पदयात्राएँ कर उपभोक्ताओं की समस्याओं का निराकरण कराया है। पदयात्रा के दौरान ऊर्जा मंत्री श्री तोमर 4 अप्रैल को सुबह 8 बजे से कोटेश्वर मंदिर ग्वालियर से पदयात्रा शुरू करते हुए घासमंडी चौराहा, किला गेट, हजीरा, प?ाव, सिंधिया कन्या विद्यालय, बसंत विहार, चेतकपुरी, झांसी रोड थाना, विक्की फेक्ट्री होते हुए एम्पायर रिसार्ट पर प्रथम दिन की पदयात्रा पूर्ण करेंगे। मंत्री श्री तोमर वीनस मैरिज गार्डन, विक्की फैक्ट्री शाम 5 बजे और इसके बाद एम्पायर रिसार्ट में रात्रि 8 बजे से जन-चौपाल एवं शिकायत निवारण शिविर लगाकर यहीं रात्रि विश्राम भी करेंगे। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर यात्रा के दूसरे दिन 5 अप्रैल की सुबह 6 बजे एम्पायर रिसार्ट से होते हुए सुबह 10 बजे जुरासिक पार्क जौरासी में जन-चौपाल एवं शिकायत निवारण शिविर के आयोजन के बाद रात्रि 8 बजे टेकनपुर में होटल शीला में जन-चौपाल एवं शिकायत निवारण शिविर में उपभोक्ताओं की शिकायतों का निराकरण किया जाएगा। पदयात्रा के तीसरे दिन 6 अप्रैल को डबरा में सुबह 10 बजे जलसा मैरिज गार्डन में एवं रात्रि 8 बजे गौराघाट के रंगला पंजाब में जन-चौपाल एवं शिकायत निवारण शिविर लगाया जाएगा। पदयात्रा के अंतिम और चौथे दिन 7 अप्रैल को गौराघाट से प्रस्थान करते हुए दतिया के ब्लू स्टार में जन-चौपाल एवं शिकायत निवारण शिविर होगा। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर शाम 4 बजे पितांबरा माता के दर्शन कर शाम 6 बजे पदयात्रा समाप्त कर ग्वालियर के लिए प्रस्थान करेंगे। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा है कि 4 से 7 अप्रैल तक ऊर्जा मंत्री की पदयात्रा के दौरान आयोजित होने वाली जन-चौपाल एवं शिकायत निवारण शिविरों में कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक एवं उप महाप्रबंधक स्तर के अधिकारी उपस्थित रहेंगे एवं विद्युत उपभोक्ताओं की शिकायतों को निराकृत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि राज्य शासन और कंपनी विद्युत उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कृत संकल्पित है।

सहरिया लोकनृत्य में दिखी पुरातन संस्कृति की झलक

लोक कलाओं की रसधार से सराबोर हुआ जलविहार परिसर

नूतन वर्ष की संध्या पर लोक नृत्य व लोक गीत की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को किया आत्मविभोर

ग्वालियर दिनांक 02 अप्रैल 2022- पुरातन संस्कृति एवं प्राचीन भारत के दर्शन एवं पारंपरिक भेषभूसा की झलक के दर्शन करा रहे सहरिया लोकनृत्य देखकर आज जलविहार परिसर में बैठे सभी रसिकजन मंत्रमुग्ध हो गए। मौका था नलनाम नवसंवत्सर के स्वागोत्सव के तहत लोककला महोत्सव का। जिसमें अनेक प्रदेशों की लोक कलाओं की प्रस्तुति को देखकर जलविहार परिसर में स्थित दर्शक भाव विभोर हो गये। इस अवसर पर देश भर के अनेक स्थानों के कलाकारों द्वारा अपनी-अपनी लोक कला का प्रदर्शन किया गया। जलविहार के रंग बिरंगे तैरते रंगमंच पर आयोजित किये जा रहे नव सवंत्सर महोत्सव के तहत नूतन वर्ष की संध्या कालीन सभा में लोक कला महोत्सव का आयोजन किया गया। लोक महोत्सव कार्यक्रम में सर्वप्रथम दीप प्रज्जवलन सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कर कार्यक्रम का शुभारंभ कराया। दीप प्रज्जवलन के दौरान बीज निगम के अध्यक्ष श्री मुन्ना लाल गोयल, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, पूर्व सभापती श्री राकेश माहौर सहित बडी संख्या में शहरवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा विभिन्न प्रदेशों के कलाकारों को शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

निगम अमले ने अभियान चलाकर पकड़े 39 आवारा श्वान

ग्वालियर। नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के नागरिकों की सुविधा के लिए शहर से आवारा श्वान (कुत्ते) पक?ने का अभियान निरंतर चलाया जा रहा है, इसके तहत आज शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 39 श्वान पक? कर डॉग सेंटर भिजवाए गए। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल के निर्देशानुसार गर्मी के कारण शहर में ब? रही डॉग बाइट की घटनाओं को देखते हुए नगर निगम ग्वालियर द्वारा निरंतर आवारा श्वान पक?ने का अभियान चलाया जा रहा है। जिन क्षेत्रों में डॉग बाइट की घटनाएं ज्यादा आ रही हैं उन क्षेत्रों में निगम की टीम लगातार श्वान पक?ने का अभियान चला रही है।

स्वच्छता में हो सबकी सहभागिता, जनप्रतिनिधि अपने अपने क्षेत्रों में नागरिकों को स्वच्छता सर्वेक्षण में सहयोग के लिए करें प्रेरित

ग्वालियर। स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के लिए ग्वालियर में केंद्रीय दल कभी भी आ सकते हैं सभी जनप्रतिनिधि स्वच्छता सर्वेक्षण में सक्रिय सहभागिता के साथ ही अपने अपने क्षेत्र में नागरिकों को भी स्वच्छता में सहभागिता के लिए प्रेरित करें। उक्त आशय के विचार नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने आज शनिवार को बाल भवन में जनप्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में व्यक्त किए। इस अवसर पर निगम के अपर आयुक्त एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कल्याल ने शहर के सभी जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा कर सभी से स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के लिए सहयोग की अपील की तथा बताया कि केंद्रीय दल की अनेक टीमें आएंगी तथा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर स्वच्छता का सर्वेक्षण करेगी एवं साफ सफाई व्यवस्था को देखेंगे। सभी शहरवासी अपने-अपने घरों से ही सूखा व गिला कचरा अलग अलग करके दें इसके साथ ही स?क पर कचरा ना डालें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478